डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

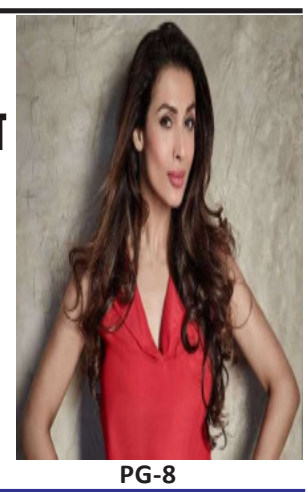

PG-8

सिनेमाः मलाइका अरोड़ा ने ट्रोल्स को बताया 'कूड़ा'

वर्ष -08 अंक -11 | प्रयागराज, शुक्रवार 11 मार्च , 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

ओडिशाः पुल का हिस्सा गिरने से दो की मौत, मलबे में फंसे हो सकते हैं कई लोग; मुख्यमंत्री ने किया मुआवजे का ऐलान

कटक। ओडिशा के कटक में बुधवार को पुल का एक हिस्सा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई वहीं एक जख्मी है। इसके

अलावा धराशायी हुए पुल के मलबे में अनेक लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने दुर्घटना पर दुख जताया और पीडितों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने मामले में जांच के निर्देश भी दिए और घायलों को उचित उपचार मुहैया कराने को कहा है। वहीं कटक के जिलाधिकारी भबानी शंकर चयानी ने कहा, 'इस घटना की जांच होगी और कसूरवारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 3 लाख रुपये मुआवजे पर देने का ऐलान किया है।

विधानसभा चुनाव 2022: यूपी के 'महासंग्राम' में नतीजों की गिनती से 2017 के चुनावों में किन पार्टीयों में रहा था मुकाबला

लखनऊ। आज पिछले एक महीने से जारी चुनावी उठापटक पर विराम लग जाएगा। देश के पांच राज्यों में कराए गए विधानसभा चुनाव-2022 के नतीजे आज घोषित होंगे। सुबह आठ बजे शुरू हुई मतदानों की गणना समाप्ती तक जारी रहेगी। चुनावी रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ प्रमुख दावेदारों के रूप में एक बहुकोणीय मुकाबला देखा गया। वहीं अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व वाली अपना दल यूपी में भाजपा के गठबंधन का हिस्सा रही है, पार्टी ने कुल 18 सीटों पर चुनाव लड़ा था। साथ ही संजय निषाद के नेतृत्व वाली निषाद पार्टी ने भी बीजेपी के साथ मिलकर यूपी चुनाव लड़ा था। दूसरी ओर, विपक्षी समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के साथ गठबंधन किया। इसके अलावा, ओपी राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) भी सपा के साथ चुनावी मैदान में उतरी। **कुल 403 सीटों पर मुकाबला** चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 202 है। प्रदेश में सातवें

चरण के मतदान के बाद जारी हुए एग्जिट पोल के आंकड़ों में बीजेपी को साफ बहुमत मिलता दिख रहा है। साथ ही एग्जिट पोल में रालोद और कुछ अन्य पार्टियों के साथ चुनाव लड़ने वाली सपा के प्रदर्शन में भी सुधार की बात कही गई है।उत्तर प्रदेश में 2017 विधानसभा चुनावों के दौरान बीजेपी ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ 325 सीटें हासिल की थी। तब अपना दल और ओपी राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) बीजेपीद्द गठबंधन का हिस्सा थीं। अकेले बीजेपी ने 312 सीटें जीती थीं, जबकि अपना दल को नौ और एसबीएसपी को चार सीटें मिली थीं। **पिछले चुनावों में 47 सीटों पर सिमटी थी सपा** उस वक्त सत्तारूढ़ सपा 47 सीटों पर सिमट गई थी। विशेष रूप से, सपा और कांग्रेस ने 2017 का चुनाव एक साथ लड़ा था और कांग्रेस केवल सात सीटें ही जीत सकी थी। वहीं, बसपा को 2017 में चुनावों के दौरान सिर्फ 19 सीटें मिली थीं, जबकि रालोद को सिर्फ एक सीट संतोष करना पड़ा था।चर्चा में अयोध्या क्या चुनावी संग्राम **विधानसभा चुनाव-2022** में सबसे अधिक सुर्खियों में रहने वाला निर्वाचन क्षेत्र अयोध्या है, जिसका कारण राम मंदिर का निर्माण है। मंदिर शहर के विकास और ठरामठ के बारे में हिंदू मतदाताओं की भावनाओं के साथ, बीजेपी इस क्षेत्र में अपने दावेदारों, खासकर समाजवादी पार्टी की तुलना में अपेक्षाकृत आरामदायक स्थिति में है। इसके अलावा, करहल एक हाई-प्रोफाइल सीट बनी हुई है क्योंकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा है। इसी तरह गोरखपुर अर्बन ने भी इस सीट से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चुनाव लड़ने पर ध्यान खींचा था।

यूक्रेन युद्ध की विभीषिका में कम हो गई भारत-अमेरिका रूट की 500 सीटें जानें कैसे बढ़ गई यात्रियों की परेशानी

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा हुआ है और इसकी तपिश पूरे विश्व में महसूस की जा रही है। युद्ध की विभीषिका के गंभीर नतीजे तो देर-सवेर कुछ न कुछ सभी देशों को भुगतना पड़ेगा, लेकिन फिलहाल इसका सीधा असर भारत-अमेरिका हवाई मार्ग पर देखने को मिल रहा है। इस रूट पर प्रतिदिन 500 सीटें युद्ध की भेंट चढ़ गई हैं। दरअसल, यूक्रेन युद्ध की वजह से हवाई क्षेत्र बंद होने और नो-फ्लाई जोन के चलते अमेरिका की यूनाइटेड एयरलाइंस ने मुंबई और नई दिल्ली से नेवार्क और सैन फ्रांसिस्को की अपनी उड़ानें अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी है। इसके चलते दोनों देशों के बीच इस रूट पर 500 सीटें कम हो गई हैं। इस रूट पर दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें बंद होने से यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। अमेरिका जाने के लिए उन्हें किसी तीसरे देश के रास्ते से जाना पड़ रहा है। इससे समय अधिक लगने के साथ ही एक तरफ से 70 हजार रुपये से ज्यादा किराया देना पड़ रहा है। उद्योग जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि कोरोना के चलते पहले ही उन्हें भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। अब यूक्रेन युद्ध ने और मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। हाल ये है कि भारत और अमेरिकी के जिन कुछ शहरों के बीच अभी सीधी उड़ानें हैं भी उनमें अगले दो हफ्ते के लिए कोई टिकट नहीं है। मुसीबत यह है कि इस समय बबल व्यवस्था के तहत उड़ानें

संचालित हो रही हैं। इसके तहत किसी एक शहर से दूसरे शहर के बीच ही यात्रा की जा सकती है। बबल व्यवस्था के तहत किसी तीसरे देश से होते हुए यात्रा करने की अनुमति नहीं है। परंतु, सीधी फ्लाइट में टिकट नहीं होने से यात्रियों को उन फ्लाइट में टिकट बुक कराने को मजबूर होना पड़ रहा है जो भारत और अमेरिकी के बीच किसी अन्य देश में रुकती है यानी उन्हें यात्रा ब्रेक करनी पड़ रही है। कोरोना के चलते अभी नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित नहीं हो रही हैं। बबल व्यवस्था के तहत संचालित होने वाली उड़ानों की संख्या भी बहुत सीमित है। भारत ने 37 देशों के साथ द्विपक्षीय बबल व्यवस्था की है। इसके तहत जो रूट निर्धारित किए गए हैं, उन पर भी उड़ानों की संख्या बहुत सीमित है। इसकी वजह से भी यात्रियों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, यात्रियों को इस मुसीबत से जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार ने इस महीने के आखिरी हफ्ते से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने का फैसला किया है।

कोरोना से निपटने में केंद्र राज्यों और नागरिकों का प्रयास सराहनीय : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना महामारी से निपटने में केंद्र, राज्य सरकारों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना

की है। बुधवार को उच्च स्तरीय बैठक में देश में कोरोना की वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर रहे थे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि बैठक में टीकाकरण अभियान में देश से सतत प्रयासों और वैक्सीन के प्रभाव के विश्लेषण पर भी चर्चा की गई। ओमिक्रोन की वजह से आई महामारी की तीसरी लहर के दौरान अस्पताल में मरीजों की कम संख्या और मृत्युदर के कम रहने में भी टीकाकरण और प्रभावी टीके को सहायक माना गया। बैठक में यह कहा गया कि केंद्र सरकार के नेतृत्व में सक्रिय और सामूहिक प्रयासों से संक्रमण के प्रसार को रोकने में कामयाबी मिली। कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने में भारत के प्रयासों और टीकाकरण अभियान विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूयूएचओ), संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ ही साथ हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और इंस्टीट्यूट आफ कंपटिटिवनेस की रिपोर्ट में भी सराहा गया। बैठक में टीकाकरण अभियान की मौजूदा स्थिति का आकलन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर महामारी की मौजूदा स्थिति पर विस्तृत ब्योरा पेश किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के साथ ही विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित रहे।

कालेज में हिजाब को लेकर दो गुट भिड़े, पुलिस ने दर्ज की तीन प्राथमिकी

मंगलुरु। हिजाब पहनने को लेकर छात्रों के दो गुटों के बीच टकराव के बाद मंगलुरु में तीन मामले दर्ज किए गए हैं। मंगलुरु के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने मंगलवार को कहा, कुछ लड़कियों को हिजाब पहनकर परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति देने को लेकर गुरुवार को दो समूह भिड़ गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि एक छात्रा की शिकायत पर कुछ छात्रों और एबीवीपी के 15 सदस्यों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला दर्ज किया गया है। दूसरा मामला एक छात्रा की शिकायत पर पहले मामले की शिकायतकर्ता और छह अन्य के खिलाफ दर्ज किया गया है। तीसरा मामला एक अन्य छात्र की शिकायत पर दर्ज किया गया है। हाल ही में कर्नाटक में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब को लेकर विवाद तब सामने आया जब उडुपी जिले के सरकारी गर्ल्स पीयू कालेज के कुछ छात्रों ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ कथित तौर पर कक्षाओं में भाग लेने से

रोकने के लिए जनवरी में विरोध करना शुरू कर दिया। शिमोगा जिले के कालेज में बुधवार को भी तनाव बना रहा। छात्रों ने उस छात्रा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जिसने पिछले दिनों हिजाब विवाद पर बहस के दौरान वाट्सएप गुरुप में पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर पोस्ट की थी। इस कालेज में छात्रा के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार को भी विरोध प्रदर्शन हुआ था। कालेज के छात्र इस छात्रा के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज करने और उसे कालेज से बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।

शहरों में प्रत्येक घर को जल्द ही नल से मिलेगा शुद्ध जल, सौ स्टार्टअप के साथ शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट, जानें पूरी योजना

नई दिल्ली। देश के हर शहर के प्रत्येक घर को जल्द ही नल से शुद्ध जल मिलने लगेगा। इसके लिए जल सुरक्षा के मामले में शहरों को आत्मनिर्भर बनाने की योजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया गया है। शहरी जल जीवन मिशन नामक इस योजना के पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के लिए 100 स्टार्टअप चयनित किए जाएंगे। जल प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम तकनीक पर काम करने वाले स्टार्टअप को इसके लिए आमंत्रित किया गया है। इस योजना के तहत शहरी क्षेत्रों के जल स्रोतों और जल संचयन को संरक्षित करने और सीवेज के जल को दोबारा उपयोग लायक बनाने को भी विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। आवासीय व शहरी विकास मंत्रालय ने पहले ही देश के सभी निकायों को अपने शहरी क्षेत्रों के परंपरागत जल स्रोतों को

चिन्हित करने और उनके संरक्षण का निर्देश दे दिया है अब देश के कुल 4,378 शहरी निकायों के 2.86 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाने की योजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया गया है। इसमें शहरी जल प्रबंधन के तहत होने वाली जलापूर्ति के साथ घरेलू पानी की निकासी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके लिए सीवर लाइन बिछाने को भी प्राथमिकता दी जाएगी। वित्तीय वर्ष 2021-22 के आम बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शहरी जल प्रबंधन के बाबत अगले पांच सालों के लिए 2.87 लाख करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। शहरी क्षेत्रों में जल प्रबंधन के बुनियादी ढांचे के निर्माण में आधुनिक टेकनेलाजी वाले स्टार्टअप को मौका दिया जाएगा। आगामी शनिवार को आयोजित एक समारोह में स्टार्टअप को आमंत्रित किया गया है। 100 चयनित स्टार्टअप को 20 लाख रुपये की वित्तीय मदद दी जाएगी, जिसके बाद पायलट प्रोजेक्ट संचालित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शहरों की जल सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए अटल मिशन फार रेजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफारमेशन (अमृत) योजना के दूसरे चरण की शुरुआत अक्तूबर 2021 में की।

हंगरी के प्रधानमंत्री ने फोन पर पीएम मोदी से की बात, यूक्रेन छोड़कर लौटे छात्रों को दिया हंगरी में पढ़ाई पूरी करने का आफर

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हंगरी के पीएम विक्टर ओर्बन से फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग पर चर्चा की और यूक्रेन की स्थिति पर भी मुताबिक, बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने यूक्रेन-हंगरी सीमा के रास्ते 6000 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को निकालने की सुविधा के लिए विक्टर ओर्बन को धन्यवाद कहा। पीएम मोदी ने इस कार्य में हंगरी सरकार की तरफ से की गई मदद पूरी करने का विकल्प चुन सकते हैं। उनकी इस पेशकश की भी पीएम मोदी ने सराहना की। फोन पर बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने कहा कि वे इस स्थिति को लेकर एक-दूसरे के साथ संपर्क में रहेंगे। साथ ही

चिंता व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने युद्धविराम सुनिश्चित करने और कूटनीति एवं संवाद की वापसी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के के लिए उनका आभार व्यक्त किया। वहीं, हंगरी के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन से निकाले गए भारतीय छात्रों को शुभकामनाएं दीं। साथ उन्होंने यह भी कहा कि अगर ये छात्र चाहें तो हंगरी से अपनी मेडिकल की पढ़ाई उन्होंने इस बात पर भी सहमति जताई कि वे इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए रूस और यूक्रेन को युद्ध को खत्म करने के लिए प्रोत्साहित करने के अपने प्रयासों को जारी रखेंगे।

आपरेशन गंगा के बारे में गलतफहमी फैलाने पर भाजपा ने विपक्ष को घेरा पहली बार दुनिया में दिखी तिरंगे की अहमियत

नई दिल्ली। आपरेशन गंगा के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही कांग्रेस और विपक्षी नेताओं के बयानों पर भाजपा ने हमला बोला है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इस मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं और कुछ मुख्यमंत्रियों की ओर राजनीति किए जाने को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि इस आपरेशन के दौरान पहली बार दुनिया में तिरंगे की अहमियत देखने को मिली। दूसरे देशों के छात्र भी तिरंगे का सहारा लेकर यूक्रेन से बाहर आने में सफल रहे। गोयल ने कहा कि एक बार सभी छात्रों के भारत लौट आने के बाद सरकार उनकी आगे की पढ़ाई के विकल्पों पर भी विचार करेगी। आपरेशन गंगा की अहमियत और सफलता का विवरण देते हुए पीयूष गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शीर्ष स्तर पर खुद इसकी निगरानी कर रहे थे। पांच राज्यों में चुनावी व्यस्तताओं के बावजूद प्रधानमंत्री ने इसके लिए आठ उच्चस्तरीय बैठकें कीं। साथ ही उन्होंने दुनिया के 11 नेताओं से अलग-अलग बात की। रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों के साथ तो कई दौर की बात हुई। प्रधानमंत्री ने एक-एक भारतीय छात्र की चिंता करते हुए उन्हें सुरक्षित निकालने का पुख्ता इंतजाम किया। यही नहीं, पहली बार स्थानीय प्रशासन फंसे हुए छात्रों के परिवार वालों के साथ सीधे संपर्क में रहा और उन्हें ताजा हालात से अवगत कराता रहा।

मैजिक ने बाइक सवार को मारी टक्कर बाइक सवार गंभीर रूप से हुआ घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी

बारा (प्रयागराज)। घटना बारा थाना अन्तर्गत रिगवा मोड़ पर हुई बताया तेज रफ्तार अनियंत्रित मैजिक ने जोरदार टक्कर मारी जिसमें बाइक चला रहे विवेक यादव पीछे बैठे उनकी मौसी गीता और उनका पुत्र विकेश

जा रहा है विवेक यादव पुत्र छब्बू यादव निवासी ग्राम जोरवटर थाना खीरी अपने ननिहाल परवेजाबाद आए हुए थे वहां से अपने मौसी गीता पैतिस वर्षऔर उनके लड़के विकेश पांच वर्ष के साथ वापस अपने घर जोरवट जा रहे थे जैसे ही रिगवा मोड़ के पास पहुंचे पीछे से आ रही गंभीर रूप से जख्मी हो गए विवेक का दाहिना पैर टूट का हड्डी बाहर निकल गई मौके पर बारा थाने की पुलिस पहुंचकर अपनी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा ले आई और जहां पर डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

आगामी त्यौहार को देखते हुए शराब गांजा जैसे बेचने वाले लोगो पर की जाएगी कार्यवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी

नारीबारी (प्रयागराज)। आगामी होली के त्यौहार के मध्य नजर देखते हुए पुलिस चौकी नारीबारी में थाना अध्यक्ष शंकरगढ़ के अध्यक्षता में क्षेत्र के ग्राम प्रधानण सहित समस्त पत्रकार बंधुओं क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों के साथ पीस में अवैध शराब बनाकर बेचने का कारोबार करते हैं तो उसकी भी सूचना पुलिस को दें आप सब पुलिस का सहयोग प्रदान करें जिससे कि शांति व्यवस्था के साथ भाईचारे का यह होली त्यौहार शांति पूर्ण रुप से संपन्न कराया जा सके और उसका आनंद उठाया जाए बैठक में संभ्रांत विशिष्ट अतिथि विशंभर

कमेटी की बैठक संपन्न हुई।जिसकी अध्यक्षता कर रहे थाना अध्यक्ष शंकरगढ़ बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि होली का पर्व भाईचारे का संदेश देता है जिससे लोगों को सीख लेनी चाहिए सभी लोग प्रेम व सौहार्द की भावना के साथ होली का त्यौहार मनाए चौकी इंचार्ज नारीबारी संतोष कुमार सिंह ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि कोई व्यक्ति क्षेत्र मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, संतोष सिंह, पृथ्वीराज साहू, राज भंवर सिंह, दिनेश मिश्रा, विजय शंकर शुक्ला, कुलदीप पाठक, सूर्यकांत शुक्ला, प्रमोद बाबू झा, अखिलेश शुक्ला ,शैलेश द्विवेदी, दिवाकर त्रिपाठी, अशोक मिश्रा, पिंटू सिंह जारी, पवन सिंह पटेल,मो गुलाम मुस्तफा, मो नवाज समेत दर्जनों प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

शहर दक्षिणी प्रत्याशी नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी को आधुनिक समाचार टीम की ओर से जीत की ढेर सारी बधाई 28600 वोटों से विजय घोषित किए गए

सिराथू सीट पर पल्लवी पटेल व केशव प्रसाद मौर्य की दिलचस्प मुकाबला

प्रयागराज। जी हां न सिर्फ कौशांबी जनपद बल्कि आसपास के जिलों में भी सबसे हाट मानी जा रही सिराथू विधानसभा सीट के परिणाम को लेकर सभी की निगाह टिकी

है। हर चरण के नतीजे आने के बाद लोगों की उत्सुकता भी बढ़ रही है। और ऐसा हो भी क्यों न, इस सीट पर जहां एक ओर यूपी के उप मुख्यमंत्री व भाजपा प्रत्याशी केशव प्रसाद मौर्य है तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी और अपना दल कमेरावादी गठबंधन की प्रत्याशी पल्लवी पटेल है। चरणवार स्थितियों को लेकर आप भी जानें कि इस हाट सीट पर वोटों की क्या स्थिति है। सिराथू विधानसभा सीट (251) पर पहले राउंड में भाजपा प्रत्याशी केशव प्रसाद मौर्य ने बढ़त बनाई थी। प्रथम चरण के बाद केशव प्रसाद मौर्य सपा प्रत्याशी पल्लवी पटेल से 870 मतों से आगे थे। इस राउंड में भाजपा को- 3236 मत मिले थे जबकि सपा गठबंधन को 2366 मत मिले थे। बसपा को 311 और कांग्रेस को 27 मत मिले थे।दूसरे राउंड की मतगणना में भाजपा प्रत्याशी केशव मौर्य को 2953 व पल्लवी को 4278 मत मिले। इस राउंड से पल्लवी ने केशव को पीछे छोड़ा। तीसरे राउंड की मतगणना में केशव मौर्य को 8482 और पल्लवी पटेल को 10626 मत मिले। चौथे राउंड में केशव को 3010 और पल्लवी को 3687 वोट मिले। पांचवें चरण में केशव को 2643 व पल्लवी को 3112 वोट मिले थे। छठें चरण में भाजपा केशव मौर्य को 2951 व सपा अद कमेरावादी गठबंधन की पल्लवी पटेल को 3143 मिले थे। यानी दूसरे से लेकर छठें चरण तक पल्लवी ने बढ़त बनाया है। शुरूआती चरण में कौशांबी में चायल से पूर्व विधायक पूजा पाल भाजपा के नागेंद्र सिंह पटेल से 245 मतों से आगे चल रही थीं। यहां भी सपा पहले राउंड से बढ़त बनाए थे। मंझनपुर में पूर्व मंत्री और सपा उम्मीदवार इंद्रजीत सरोज भाजपा के लाल बहादुर से आगे चल रहे थे।

मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी व सिद्धार्थनाथ को भी मिली विजय श्री

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव के फैसले की घड़ी आ गई है। गुरुवार की सुबह शहर की मुंडेरा मंडी से फैसला आना शुरू होगा और दोपहर बाद स्थितियां साफ होने लगेगी। शाम तक 12 विधानसभा के 169 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला हो जाएगा। इसमें से 12 के सिर ही जीत का ताज बंधेगा और 157 को निराशा हाथ लगेगी। फिर भी सभी ने जीत का गठबंधन के पीयूष रंजन निषाद को जीत मिली है। उन्?होंने सपा के उज्?ज्?वल रमण सिंह को पराजित किया। 3441 मतों से संदीप सिंह जीते। वह मेजा से सपा उम्मीदवार थे। हालांकि अभी उनकी जीत की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। जिले की 12 विधानसभा सीटों में सात की मतगणना पूरी, जानें किसे मिली जीत मेजा : सपा के संदीप कुमार विजयी, भाजपा

दावा किया है और वह सुबह ही परिणाम सुनने के लिए मुंडेरा मंडी पहुंच जाएंगे। मंडी में कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम को रखा गया है। वहां पर पुलिस के अलावा ईवीएम की सुरक्षा के लिए खासकर सपा के नेता वहां पर डटे हुए हैं। नीलम करवरिया को 74869 वोट मिले। वहीं संदीप सिंह को 78164 वोट मिले। बसपा के सर्वेश चंद्र तिवारी को 22839 वोट मिले, कांग्रेस की शालिनी द्विवेदी को 1547 वोट मिले। वहीं हंडिया विधानसभा सीट से सपा के हाकिमलाल बिंद को दूसरी बार जीत मिली। करछना विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी नीलम करवरिया हारीं हंडिया : सपा के हाकिम लाल बिंद विजयी, निषाद पार्टी के प्रशांत कुमार सिंह हारे करछना : भाजपा के पीयूष रंजन निषाद विजयी, सपा के उज्ज्वल रमण सिंह हारेबारा : अपना दल एस के वाचस्पित विजयी, सपा के अजय मुनन हारे कोरांव : भाजपा के राजमणि कोल विजयी, सपा के रामदेव निडर हारे शहर पश्चिमी : भाजपा के सिद्धार्थ नाथ सिंह विजयी, सपा की ऋचा सिंह हारीं शहर दक्षिणी : भाजपा के नंद गोपाल नंदी विजयी, सपा के रईस शुक्ला हारे।भाजपा के सिद्धार्थ नाथ सिंह को 117000 वोट मिले थे।

करछना में पहली बार खिला कमल, उज्जवल को पीयूष निषाद ने हराया

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव में अबकी करछना विधानसभा क्षेत्र में पहली बार कमल खिला है। यहां भाजपा-निषाद पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी पीयूष रंजन निषाद ने सपा उम्मीदवार उज्ज्वल रमण सिंह को 7478 मतों से हरा दिया। करछना विधानसभा सीट पर एक बार भी भाजपा को जीत नहीं मिल सकी थी। यहां कुंवर रेवती रमण सिंह का एकछत्र राज रहा। है। उनके बाद बेटे कुंवर उज्ज्वल रमण सिंह ने इस सीट पर अपना वर्चस्व बनाए रखा। खास बात यह है कि 2017 में मोदी लहर में भी जिले की हाट सीटों में शुमार करछना में कमल नहीं खिला था। यहां से उज्ज्वल रमण ने जीत हासिल की थी। इस बार भी सीधी टक्कर भाजपा और सपा के बीच रही। भाजपा ने पीयूष रंजन निषाद को मैदान में उतारा। जबकि सपा की तरफ से निवर्तमान विधायक उज्ज्वल रमण सिंह चुनावी दंगल में उतरे। बसपा ने अरविंद शुक्ला, कांग्रेस ने रिंकी पटेल को उतारा था। इस सीट पर लगभग 52 फीसद मतदान हुआ था। गुरुवार सुबह मतगणना शुरू हुई। पहले ही राउंड में भाजपा के पीयूष ने बढ़त बना लिया। प्रथम

चरण में पीयूष को 2885, उज्ज्वल को 2414, अरविंद को 476 तथा रिंकी को 66 मत मिले थे। इसके बाद पीयूष बढ़ते हुए सातवें राउंड में काफी हो गए। इस चरण में पीयूष को 25624, उज्ज्वल को 18434, अरविंद को 4937 व रिंकी को 762 वोट मिले थे।

उत्तर-प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के परिणाम

चुनाव प्रचार के दौरान नेहा राठौर की चर्चित गीत यूपी मे का बा यूपी में का बा के जवाब में जनता बोली उत्तर-प्रदेश में बाबा

लखनऊ। उत्तर-प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान बेहद चर्चित रहे गीत यूपी में का बा के जनता के साथ ही भाजपा के कार्यकर्ता होली खेलते हुए जवाब देने में लगे हैं। वह एक सुर में गा रहे हैं यूपी में बाबा। उत्तर-प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचार के दौरान में बिहार की काफी चर्चित गायिका नेहा सिंह राठौर का गीत यूपी में का बा का भाजपा के सांसद रवि किशन के बाद अब उत्तर प्रदेश जनता ने भी जवाब दे दिया है। उत्तर-प्रदेश में सात चरण के मतदान के बाद आज गुरुवार को रुझान में भाजपा को बड़ी बढ़त की ओर देख जनता के साथ भाजपा के कार्यकर्ता भी एक स्वर में कहने लगे हैं कि यूपी में बाबा। इससे पहले भी भाजपा के कार्यकर्ता कह रहे थे कि अब 10 मार्च बताई ईवीएम में का बा। बिहार में का बा गाकर सुर्खियां बटोरने वाली नेहा सिंह 'यूपी में का बा' गाने के साथ चर्चा में थी। विपक्षी दल भी उनके गाने को लेकर भाजपा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलने लगे। इसके बाद गोरखपुर से भाजपा के सांसद रवि किशन शुक्ला ने 'यूपी में सब बा' से माहौल बनाने का प्रयास किया। अब उत्तर प्रदेश की जनता ने यूपी में का बा के जवाब में जनता बोली यूपी में बाबा। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण भाजपा ने गोरखपुर के सांसद रवि किशन शुक्ला की आवाज में 'यूपी में सब बा' गाना रिलीज कराया।

उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव के दौरान पहले रैली और बड़ी सभाओं पर चुनाव आयोग की पाबंदी थी। ऐसे में राजनीतिक दलों ने जनता को जनता को अपनी ओर खींचने के लिए गानों का सहारा लिया। बिहार की गायिका नेहा सिंह ने गीत गाया कि यूपी में का बा तो इसके बाद समाजवादी पार्टी ने 'जनता पुकारती है, अखिलेश आइए' से वोटर्स को लुभाने का प्रयास किया। नेहा ने गाने में क्या-क्या कहा राठौर के गाने में लखीमपुर में किसानों पर गाड़ी चढ़ाने का मामला, हाथरस में दुष्कर्म समेत कई अन्य घटनाओं का जिक्र करते हुए सरकार से सवाल किया था। राठौर ने अपने गाने में कहा था कि बाबा के दरबार बा, खतम रोजगार बा हाथरस के निर्णय जोहत लड़की के परिवार बा अरे का बा यूपी में का बा कोरोना से लाखन मर गईल ले, कोरोना से लाखन मर गईल ले लाशन से गंगा भर गईल बे, टिकठी औ कफन नोचत कुकुर बिलार बा, ऐ बाबा, यूपी में का बा। बिहार के कैमूर निवासी राठौर ने यूपी के कानपुर से पढ़ाई की है। वह सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब पर लोकगीत गाती रही हैं। उत्तर प्रदेश में 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 15 मई तक है। 17वीं विधानसभा के लिए 403 सीटों पर चुनाव 11 फरवरी से 8 मार्च 2017 तक सात चरण में में हुए थे। भाजपा ने 312 सीटें जीतकर पहली बार यूपी विधानसभा में तीन चौथाई बहुमत हासिल किया था। प्रदेश में 18वीं विधानसभा के गठन के लिए दस फरवरी से हुए सात चरण के चुनाव में सीधा मुकाबला समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच माना गया। भाजपा ने सीएम योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे को आगे कर चुनाव लड़ा और इतिहास बनाया।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

हरहुआ पीएचसी पर 498 गर्भवती का हुआ जांच दी गई नि:शुल्क दवाएं

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। विकास खण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर

प्रधानमंत्री मातृ सुरक्षा योजना का दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसमें गर्भवती महिलाओं को प्रत्येक माह की निश्चित नौ तारीख को सभी व्यापक और गुणवत्ता युक्त प्रसव पूर्व देखभाल प्रदान करना सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नोडल प्रभारी डॉ0 सुरेश सिंह ने किया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ0आर0 के0 सिंह द्वारा गर्भवती महिला को फल प्रदान किया गया। श्री सिंह के अनुसार कुल 498 गर्भवती महिलाओं का जांच हुआ ।जिसमें 26 हाई रिस्क प्रेगन्सी चिन्हित हुई।जिन्हें निःशुल्क दवाएं व सलाह दी गई। वहीँ इमरजेंसी में 102 नम्बर की सुविधाएं उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ0 राजकुमार, डॉ0 एचसी मौर्य, डॉ0 मनु चतुर्वेदी,ब्लाक प्रबंधक बसंत लाल श्रीवास्तव,फार्मासिस्ट राधेश्याम, ,एल टी राजेश कुशवाहा व नर्स मेंटर चंद्रकला इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

बलिया में मतगणना स्थल पर वाहन का प्रवेश से भड़के सपाई गाड़ी में ईवीएम होने का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक ब्यूरो

बलिया। वाराणसी मे उपजे बवाल के बाद इस घरती पर शहर के मंडी समिति स्थित मतगणना स्थल पर बोलेरो वाहन के प्रवेश करने पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भड़क गए।सैकड़ों कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जो गाड़ी अंदर प्रवेश कर रही है, उसके अंदर ईवीएम है। जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह व एसपी राजकरन नैय्यर ने वाहन का फाटक खोल कर देखा तो उसके अंदर लैपटॉप व अन्य उपकरण मिले।जिलाधिकारी का कहना है कि लैपटाप मतगणना कार्य में लगाए जाने के लिए अंदर जा रहे हैं। सपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि लैपटॉप संदिग्ध हैं। गाड़ी के आगे और पीछे दोनों जगह अलग-अलग नंबर दिए गए हैं। गाड़ी पर भाजपा का लोगो लगा हुआ था। सपा के पूर्व विधायक जयप्रकाश अंचल के अलावा कई सपा नेता मौजूद रहे। कार्यकर्ता गाड़ी को अंदर नहीं भेजने को लेकर बवाल किए। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है। एसडीएम सर्वेश यादव और सिटी मजिस्ट्रेट मौके पर हैं, वह सपा कार्यकर्ताओं को समझाने में जुटे हुए हैं। ईवीएम बदलने का झूठ फैला

रही सपा- सुरेंद्र पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने पर विधायक व विकासशील इंसान पार्टी के उम्मीदवार सुरेंद्र सिंह ने कहा कि सपा वाले झूठे हैं।वह बिना किसी कारण ईवीएम पर रोना रो रहे हैं।उन्होंने कहा कि ईवीएम बदलना होता तो जब सपा की सरकार थी तो वह क्यों नहीं बदल लिए। झारखंड में, दिल्ली में, पंजाब में बीजेपी क्यों नहीं ईवीएम बदल ली।भाजपा से दूरी के बाबत उनका कहना था कि मुझे मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोई शिकायत नहीं है। मेरी शिकायत बलिया के बीजेपी सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त से है। जिनके कहने पर गृहमंत्री अमित शाह ने उनका टिकट काट दिया।

नहीं खरीदा गया तो किसान फूंक देंगे धान

चंदौली। धान खरीद को लेकर जनपद के किसानों का आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसको लेकर मंगलवार को अनन्दाताओं ने धान खरीद के लिए जिला मुख्यालय पर धरना दिया। आरोप लगाया कि एसडीएम सदर के आश्वासन पर पांच मार्च से केंद्र पर धान लदे ट्रैक्टर खड़े हैं। धान खरीद करने और किसानों का अंगूठा लगाने की समय सीमा बीत चुकी है। बावजूद इसके किसानों के धान की खरीद मुकम्मल नहीं हो पाई है। मांग किया कि चुनाव में तीन दिनों तक धान खरीद प्रभावित रही, लिहाजा खरीद की

तिथि तीन दिन बढ़ाते हुए खरीद को पूरा किया जाए। चेतावनी दी कि यदि धान की खरीद नहीं की गई तो वे मुख्यालय पर ही धान को फूंक देंगे। भारतीय किसान यूनियन के मंडल प्रवक्ता मणिदेव चतुर्वेदी ने कहा कि कुछ किसानों से धान तो ले लिया गया, लेकिन उनके अंगूठा का निशान नहीं लगा है। जब तक बेचे गए किसानों का अंगूठे की निशान नहीं लगेगा तब तक खाता में पैसा नहीं जाएगा। खरीद नहीं होने से संबंधित किसान अधर में लटके है। मंडल अध्यक्ष जितेंद्र प्रताप तिवारी ने कहा कि जब तक किसानों के साथ न्याय नहीं होगा, तब तक किसान धरने पर बैठे रहेंगे।

वाराणसी में भोले बाबा पहनेंगे अहमदाबाद की खादी, गौरा तन सजेगा बरसाने का घाघरा

वाराणसी। देवाधिदेव महादेव बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ रंगभरी एकादशी पर एक बार फिर दूल्हा बनेंगे। मंगल गीतों के बीच डोली सजेगी और गौरा का गवना लाने जाएंगे। इस खास मौके पर उनके तन अहमदाबाद से आई खादी के परिधान सजेंगे तो गौरा बरसाने से आया घाघरा पहन इठलाएंगी। रंगभरी एकादशी 14 मार्च को पड़ रही है, लेकिन शिव- पार्वती गवना महोत्सव के लोकाचार महंत आवास पर 11 मार्च से ही शुरू हो जाएंगे। धर्म शास्त्रीय मान्यता है कि बाबा का तिलक वसंत पंचमी पर चढ़ाया गया था। महाशिवरात्रि पर विवाह हुआ और फागुन शुक्ल एकादशी पर गौरा का गवना करा कर अपने धाम लाए। काशी में विश्वनाथ मंदिर महंत परिवार इसे परंपरानुसार उत्सव की तरह मनाता है। पूर्व में एक दिवसीय हुआ करता उत्सव अब चार दिन तक विस्तार पा चुका है। इसकी तैयारी टेढ़ीनीम स्थित महंत आवास पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बाबा के लिए अहमदाबाद के एक भक्त की ओर से खादी का कपड़ा महंत डा. कुलपति तिवारी को भेंट किया गया है। परिवार की परंपरा अनुसार चौक क्षेत्र के दर्जी किशनलाल इसकी सिलाई कर रहे हैं। साथ ही गयासुद्दीन का परिवार शाही पगड़ी को अकार देने में जुट गया है। रंगभरी एकादशी पर बाबा विश्वनाथ व माता पार्वती संग प्रथमेश की चल प्रतिमा की की मरम्मत की जा रही है। चांदी चमकाई जा रही है। इसके लिए सुनारों का दल लगा दिया गया है। बाबा व माता पार्वती के राजसी स्वरूप में श्रृंगार व पूजन परंपरा के सामान सूचीबद्ध किए जा रहे हैं। महंत डा. कुलपति तिवारी ने बताया कि शुक्रवार को माता गौरा की प्रतिमा के पूजन के बाद गौना की हल्दी लगाई जाएगी।

मऊ सदर विधानसभा सीट पर मुख्तार अंसारी की विरासत बड़े बेटे अब्बास अंसारी ने संभाली

मऊ। इस बार सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी अब्बास अंसारी मऊ सदर विधानसभा से चुनाव जीत चुके हैं। इस प्रकार मऊ सदर सीट से पिता की परंपरागत सीट को किया। इसके बाद से ही वह सपा और सुभासपा के साथ मिलकर चुनाव प्रचार कर रहे थे। वहीं मुख्तार की परंपरागत सीट से अब्बास को भी चुनाव जीतने के लिए कड़ी मेहनत नहीं करनी पड़ी।

नई पीढ़ी ने संभाल लिया है। इस बार अब्बास को सुभासपा ने समाजवादी पार्टी गठबंधन की ओर से चुनाव मैदान में उतारा था। देर शाम आए परिणाम में अब्बास अंसारी को सुभासपा से विजयी घोषित किया गया। अब्बास पर इस चुनाव में प्रशासनिक अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगने की वजह से उनपर एक दिन का चुनाव प्रचार प्रतिबंध भी लगाया गया था। इसके पूर्व भी उनपर कई मौकों पर आरोप लग चुका है। मुख्तार अंसारी इस बार जेल से ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन, अंतिम समय में मुख्तार ने अपने बेटे को छड़ी के चुनाव निशान पर चुनाव लड़ने के लिए राजी किया और अब्बास ने मऊ सदर से अपना नामांकन दाखिल वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में शूटिंग के शौकीन अब्बास अंसारी को घोसी से हार मिली थी। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र से मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे अब्बास अंसारी ने चुनाव मैदान में दस्तक दी थी। इस चुनाव में वह भाजपा के दिग्गज नेता फागू चौहान से वह चुनाव हार गए थे। इस बार चुनाव मैदान में सुभासपा की ओर से टिकट जारी किए जाने की जानकारी होने के बाद मऊ की सियासत में नई पीढ़ी शामिल हो गई है। उनपर भी कई मुकदमे हैं और जिला प्रशासन को चुनाव बाद धमकी देने का वीडियो वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने एक दिन के चुनाव प्रचार का उन पर प्रतिबंध भी लगाया था।

बलिया में मतगणना स्थल पर वाहन का प्रवेश, भड़के सपाई, गाड़ी में ईवीएम होने का आरोप

बलिया। शहर के मंडी समिति स्थित मतगणना स्थल पर बोलेरो वाहन के प्रवेश करने पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भड़क गए। सैकड़ों कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जो गाड़ी अंदर प्रवेश कर रही है, उसके

अंदर ईवीएम है। जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह व एसपी राजकरन नैय्यर ने वाहन का फाटक खोल कर देखा तो उसके अंदर लैपटॉप व अन्य उपकरण मिले।जिलाधिकारी का कहना है कि लैपटाप मतगणना कार्य में लगाए जाने के लिए अंदर जा रहे हैं। सपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि लैपटॉप संदिग्ध हैं। गाड़ी के आगे और पीछे दोनों जगह अलग-अलग नंबर दिए गए हैं। गाड़ी पर भाजपा का लोगो लगा हुआ था। सपा के पूर्व विधायक जयप्रकाश अंचल के अलावा कई सपा नेता मौजूद रहे। कार्यकर्ता गाड़ी को अंदर नहीं भेजने को लेकर बवाल किए। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है। एसडीएम सर्वेश यादव और सिटी मजिस्ट्रेट मौके पर हैं, वह सपा कार्यकर्ताओं को समझाने में जुटे हुए है पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने पर विधायक व विकासशील इंसान पार्टी के उम्मीदवार सुरेंद्र सिंह ने कहा कि सपा वाले झूठे हैं। वह बिना किसी कारण ईवीएम पर रोना रो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम बदलना होता तो जब सपा की सरकार थी तो वह क्यों नहीं बदल लिए। झारखंड में, दिल्ली में, पंजाब में बीजेपी क्यों नहीं ईवीएम बदल ली। भाजपा से दूरी के बाबत उनका कहना था कि मुझे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोई शिकायत नहीं है। मेरी शिकायत बलिया के बीजेपी सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त से है। जिनके कहने पर गृहमंत्री अमित शाह ने उनका टिकट काट दिया।

बलिया में भाजपा गठबंधन को 2 सीट सपा गठबंधन को 4 और बसपा को 1 सीट

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। इस बागी धरती पर विधानसभा चुनाव की मतगणना अंतिम दौर में है और जीत हार का समीकरण साफ दिखने लगा है । बलिया में भाजपा गठबंधन को 2 सीट पर जहां जीत मिल रही है तो वही अपनी 2 सीट पर हार का भी सामना करना पड़ रहा है । वही समाजवादी पार्टी के गठबंधन को 3 सीट की जहां बढ़त के साथ 4 सीट पर जीत मिल रही है , तो नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी को हार का सामना भी करना पड़ रहा है । रसड़ा ने उमाशंकर सिंह का जलवा बरकरार है । अभी किसी भी सीट पर जीत की घोषणा नही हुई है। लेकिन जो खबर है उसके अनुसार बलिया नगर से भाजपा के दयाशंकर सिंह, बांसडीह से भाजपा गठबंधन की केतकी सिंह, सिकन्दरपुर से सपा के जियाउद्दीन रिजवी,बेल्थरारोड से सपा गठबंधन के हंशु राम , फेफना से सपा के संग्राम सिंह यादव,बैरिया से जयप्रकाश अंचल और रसड़ा से बसपा के उमाशंकर सिंह की जीत पक्की है । राउंड वाइज मतगणना निमन है बैरिया के 21 वे राउंड में आनंद को 42689, अंचल को 50226 मत मिले है ।बैरिया में 23 वे राउंड में आनंद 48528 और अंचल को 55415 मत मिला है । 25 वे राउंड में आनंद को 52584 और अंचल को 60557 मत मिला है । 28 वे राउंड में आनंद को 55302 और अंचल को 67162 मत मिला है ।रसड़ा के 19 वे राउंड के बाद उमाशंकर को 55645 और सपा गठबंधन के महेंद्र को 50451 मत मिले है ।रसड़ा के 20 वे राउंड में उमाशंकर को 58430,और महेंद्र को 53127 मत प्राप्त हुआ है ।रसड़ा 21 वे राउंड में उमाशंकर को 61611 और महेन्द्र को 56114 मत मिले है । रसड़ा में 22 वे राउंड में उमाशंकर को 64980 ,और महेंद्र 58526 मत मिला है ।बलिया नगर के 22 वे राउंड में दयाशंकर को 80587,नारद

राय को 59474 मत मिले है ।बलिया नगर में 26 वे राउंड में दयाशंकर को 92920 और नारद राय को 69457 मत मिला है । 27 वे राउंड में दयाशंकर को 95850 और नारद राय को 71745 मत मिला है । बांसडीह के 17 वे राउंड में केतकी को 53414, रामगोविंद को 45324 मत मिले है ।बांसडीह 18 वे राउंड में केतकी को 60166, रामगोविंद को 49758 मत मिले है । बांसडीह में 20 वे राउंड में केतकी सिंह को 63283 और रामगोविंद को 51795 मत मिला है । 21 वे राउंड में केतकी को 66397 और रामगोविंद को 54250 मत मिला है । 22 वे राउंड में केतकी सिंह को 69708 और रामगोविंद को 57279 मत मिला है । 23 वे राउंड ने केतकी को 72346 और रामगोविंद को 59944 मत मिला है । 26 वे में केतकी को 81939 और रामगोविंद को 67749 मत मिला है । 27 वे राउंड में केतकी को 85032 और रामगोविंद को 69822 मत मिला है । सिकन्दरपुर में 15 वे राउंड के बाद सपा के रिजवी को 43833 और भाजपा के संजय को 38541 मत मिले है सिकन्दरपुर के 18 वे राउंड में रिजवी को 52977, संजय यादव को 46237 मत प्राप्त हुआ है ।सिकन्दरपुर 19 वे राउंड में रिजवी को 56708,और संजय यादव 49015 मत मिले है । 21 वे राउंड में रिजवी को 62823 और संजय यादव को 52675 मत मिला है । फेफना 21 वे राउंड में संग्राम सिंह को 69837 और उपेन्द्र तिवारी को 57976 मत प्राप्त हुआ है ।फेफना के 24 वे राउंड में संग्राम को 81018 और उपेन्द्र को 74708 मत मिला है । 25 वे राउंड में उपेन्द्र को 67386 और संग्राम को 84 775 मत मिला है

बलिया के बेल्थरारोड से हंशुराम विजयी घोषित, विधानसभा सदस्य का मिला प्रमाण-पत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। बेल्थरारोड विधानसभा से भाजपा के निकटतम प्रतिद्वंद्वी छड्डू राम को 5131 मतों से पराजित करते हुए हंशु राम ने गठबंधन की सीट पर अपना परचम लहराया। जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उन्हें जीत का प्रमाण- पत्र देने के बाद

रिकाउंटिंग की अटकलों पर विराम लग गया। बता दे कि बीजेपी उमीदवार छड्डू राम और उनके समर्थक पहले से ही जीत को लेकर आश्वस्त थे। चुनावी गणना में शुरुआती रूझानों में बढ़त ने उनके हौसले को चांद पर पहुँचाने का काम किया। लेकिन 24वे चक्र की काउंटिंग में कहानी पलट गई और हंशु राम छड्डू पर बढ़त बना ली जो गणना के अंतिम समय तक कायम रहा। बीजेपी प्रत्याशी के कम मतों से हार के बाद से बेल्थरारोड में रिकाउंटिंग की हवा उड़ने लगी। बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थक एक बार फिर अपने उम्मीदवार की जीत को लेकर आश्वस्त होने लगे। जिसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी होने लगी। लेकिन हंशु राम को प्रमाण पत्र मिलने के बाद उन सारी अटकलों पर विराम लग गया। जिसके बाद छड्डू राम के समर्थकों में मयूषी छा गयी।बेल्थरारोड सीट पर अबतक के इतिहास का टूटा टोटका! इस बार बेल्थरारोड विधानसभा के तीन दशक का इतिहास टूटेगा या फिर दोहराएगा ये चंद घंटों में ही पता चल जाएगा।इस दौरान नगर से लगायत ग्रामीण अंचल तक चहल-पहल गुरुवार को चुनाव परिणाम आने तक बना रहा। अंततोगत्वा इस बारे के चुनाव परिणाम ने सारे इतिहास को दरकिनार कर दिया। देवरि?या-मऊ-बलिया तीन जिलों के सीमा पर स्थित बलिया की बेल्थरारोड विधानसभा की बात करें तो यहां से जुड़ा एक अजब इत्तिफाक रहा है। इस सीट पर जिस पार्टी का प्रत्याशी जीतता है सूबे में उसी की सरकार बनती है। कम से कम पिछले तीन दशक का इतिहास तो यही बताता है।ऐसे में इस बार बेल्थरारोड विधानसभा के तीन दशक का इतिहास टूट गया। स्मरण रहे कि सन् 1989 में जनता दल प्रत्याशी के रूप में स्वर्गीय शारदानंद अंचल ने दूसरी बार जीत हासिल किया तो सूबे में जनता दल की सरकार बनी। 1991 में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी के रूप में हरिनारायण राजभर जीते और भाजपा की सरकार बनी। 1993 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर शारदानंद अंचल चुनाव जीते और सूबे में सपा की सरकार बनने के बाद अंचल शिक्षा व पशुपालन मंत्री बने। वैसे ही 1996 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी हरिनारायण राजभर दूसरी बार विधायक बने और भाजपा की सरकार में कारागार मंत्री पद का निर्वहन किया। वर्ष 2002 में समाजवादी पार्टी के शारदानंद अंचल चुनाव जीतकर सहकारिता मंत्री बने। 2007 के चुनाव में पहली बार बसपा ने अपना खाता खोला और केदारनाथ वर्मा ने चुनाव जीता। इसके साथ ही बसपा की सरकार बनी। 2012 के नये परिसीमन में सीयर विधानसभा का नाम बदल कर बेल्थरारोड सुरक्षित सीट पर समाजवादी पार्टी के गोरख पासवान ने अपनी जीत सुनिश्चित की और सपा की सूबे में सरकार बनी। 2017 में भाजपा के धनन्जय कनौजिया ने जीत दर्ज की और सूबे में भाजपा की सरकार बनी। हर कोई अपने अंदाज में जीत का जशन मनाने की तैयारी में पहले से बनाई रखे थे।नगर के हनुमानगढ़ी स्थित फूल की दुकान लगाने वाले दुकानदार विवेक बबलू माली, मोनू माली, छोटे माली, मीरा माली, धर्मात्मा माली ने बताया कि मतगणना को देखते हुए हम लोगों ने तैयारी कर ली थी। फूल माला बनाने का काम तेजी के साथ शुरू कर दिया था,ताकि जरूरत पड़ने पर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को फूल माला उपलब्ध कराया जा सके।

रेलयात्रियों को नहीं उठाना पड़ेगा कंबल का बोझ, ट्रेनों में बेड रोल की सुविधा तत्काल प्रभाव से बहाल

वाराणसी। अब यात्रियों को घर कंबल और चादर लेकर साथ चलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय रेलवे ने गुरूवार को तत्काल प्रभाव से ट्रेनों में बेड रोल की बड़ी सुविधा बहाल करने का ऐलान किया है। जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। दरअसल रेल मंत्रालय ने लंबी दूरी की ट्रेनों में फिर से यात्रियों को कंबल और बेडिंग देने का निणय लिया है। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे ने मार्च-2020 से यात्रियों को चादर, तकिया और कंबल देना बंद कर दिया था। कोरोना महामारी की वजह से यात्रियों को ये सुविधा नहीं मिल रही थी। लेकिन अब रेलवे ने तत्काल प्रभाव से इस सेवा को लागू करने का ऐलान किया है। यानी आज से यात्रियों को सफर के दौरान कंबल और चादर मिलेंगे।

इसके लिए रेलवे बोर्ड ने सभी रेलवे जोन के महाप्रबंधकों को जारी एक आदेश में कहा कि इन वस्तुओं की आपूर्ति तत्काल प्रभाव से फिर से शुरू की जाए। लंबे समय से उठ रही थी मांगः कोरोना के मामले घटते ही लगातार यात्रियों द्वारा इसकी मांग की जा रही थी। क्योंकि अभी यात्रियों को अपने साथ घर से कंबल-चादर लेकर चलना पड़ता है, जिससे एक अतिरिक्त लगैज साथ में हो जाता है। पिछले दिनों रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वाराणसी दौरे में बेड रोल की सुविधा जल्द बहाल करने का आश्वासन दिया था। एसी बोगियों में मिलते हैं बेड रोलः रेलवे की ओर से सभी ट्रेनों के एसी कोचों में कंबल, तकिया और चादर की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। गरीब रथ जैसी ट्रेनों में ये वैकल्पिक सुविधा है। अब कोरोना के मामलों में गिरावट को देखते हुए रेलवे ने इस सुविधा का बहाल करने का ऐलान किया है। डिस्पोजल किट से छुटकाराः बेड रोल की सुविधा शुरू होने से डिस्पोजल किट से भी छुटकारा मिल जाएगा। मार्च-2020 में ये सुविधा बंद करने के बाद रेलवे की ओर से कुछ दिनों तक यात्रियों को डिस्पोजेबल बेडरॉल किट मुहैया कराए जा रहे थे। इसके लिए यात्रियों को अलग से पेमेंट करना पड़ता था। जो ज्यादा उपयोगी साबित नही हुआ। बोले अधिकारी : मंत्रालय के निर्देश पर गाड़ियों में बेड रोल उपलब्ध कराने की तैयारी चल रही है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के अंतर्गत संचालित मैकेनाइज्ड लाउंड्री यूनिट को पुनः शुरू कराया जा रहा है।

रंगभरी एकादशी : वाराणसी में लोक उत्सव में इस वर्ष प्रवेश और निकास की नई व्यवस्था

वाराणसी। रंगभरी एकादशी पर काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत आवास पर होने वाले लोकोत्सव में भीड़ प्रबंधन के लिए इस वर्ष विशेष

व्यवस्था की गई है। इस मौके पर प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए भगवान शिव की चल प्रतिभा के दर्शन के लिए प्रवेश और निकास अलग-अलग रास्ते से होगा। यह निणय गुरुवार को महंत डा. कुलपति तिवारी की अध्यक्षता में हुई क्षेत्रीय नागरिकों की बैठक में किया गया। डॉ. कुलपति तिवारी ने बताया कि 14 मार्च को रंगभरी एकादशी के उत्सव में शामिल होने वालों को कन्हैया चित्र मंदिर और सेंट्रल होटल के सामने वाली गली से प्रवेश दिया जाएगा। दर्शन करने के उपरांत भक्तों की निकासी महंत आवास के बगल वाले आवास के परिसर से भंडारी गली की ओर होगी। साथी सांस्कृतिक कार्यक्रम शिवांजलि के स्थान में भी परिवर्तन किया गया है। इस बार कार्यक्रम का मंच महंत आवास के बगल में खुले स्थान पर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सांस्कृतिक अनुष्ठान शिवांजलि में देश विदेश में अपनी खास पहचान रखने वाले कलाकारों की हाजिरी लगेगी। दुनिया के तमाम देशों में अपने तबला वादन का कौशल दिखा चुके पंडित अशोक पांडेय, चारों पट की गायकी में समान रूप से दक्षता रखने वाली विदुषी सुचारिता गुप्ता भक्ति लोक संगीत के सशक्त हस्ताक्षर पागल बाबा शिवांजलि का मुख्य आकर्षण होंगे। सूफियाना रॉक के लिए देशभर में जाने जाने वाले रुद्रनाथ बैंड के लीड सिंगर अमित त्रिवेदी बाबा की होली का विशेष गायन करेंगे।

वध के लिए ले जा रहे 55 गोवंश बरामद तीन तस्कर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

सोनभद्र। श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक महोदय सोनभद्र के कुशल निर्देशन

व अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी ओबरा महोदय के पर्वेक्षण मे, आज दिनांक 9 मार्च 2022 को थाना अध्यक्ष हाथीनाला के नेतृत्व में वसनिया घाट के पास से कुल 3 नफर पशु तस्करों को 55 राशि गोवंश को बध हेतु बिहार ले जाते समय गिरफ्तार किया गया त् अभियुक्त गण के विरुद्ध, थाना स्थानीय पर मुकदमा अपराध संख्या 13/2022 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम व, 11 पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है इस दौरान पुलिस टीम में रविंद्र प्रसाद थाना प्रभारी हाथीनाला , वरिष्ठ उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार यादव, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार यादव, कांस्टेबल विष्णु शंकर उपाध्याय,- कांस्टेबल कैलाश सिंह, कांस्टेबल विनोद कुमार, थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र गिरफ्तार सुदा अभियुक्त गण 1- ऐनुल अंसारी पुत्र अब्दुल रहीम निवासी ग्राम सोंडीहा थाना धुरकी की जिला गढ़वा झारखंड उम्र करीब 42 वर्ष 2- राम केश्वर साहू पुत्र रामलाल साहू निवासी बरगढ़ थाना मोरवा जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश उम्र करीब 23 वर्ष 3- जान साह सिंह पुत्र शिवराज सिंह निवासी बरगढ़ थाना मोरवा जनपद सिंगरौली मध्य प्रदेश उम्र करीब 38 वर्ष वांछित अभियुक्त गण 1- नूर मोहम्मद पुत्र जाकिर अली निवासी ग्राम पड़रछ टोला कुड़वा थाना कोन जिला सोनभद्र 2- इश्तियाक अली पुत्र जाकिर अली निवासी ग्राम पड़रछ टोला कुड़वा थाना कोन जनपद सोनभद्र 3- जमशेर अली पुत्र स्वर्गीय हैदर अली निवासी ग्राम पड़रछ टोला कुड़वा, थाना कोन जनपद।

संविदा कर्मियों को दी श्रम कानून संबंधी जानकारी

अनपरा (सोनभद्र)। एनसीएल के संविदा कर्मियों में श्रम कानून संबंधी जागरुकता लाने एवं उनकी जिज्ञासाओं के समाधान के लिए दुधीचुआ क्षेत्र में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं के श्रमिक संघ प्रतिनिधि एवं दुधीचुआ, निगही व अन्य परियोजनाओं के 300 से अधिक संविदा कर्मियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ताओं ने विभिन्न श्रम कानूनों पर विस्तृत जानकारी दी। संविदा कर्मियों को विभिन्न श्रम कानूनों के प्रावधानों, न्यूनतम वेतन, ठेकेदार व प्रिंसिपल नियोक्ता की जिम्मेदारी आदि के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया। संविदा कर्मियों के विभिन्न प्रश्न पूछकर संतुष्ट हुए। अतिथियों का स्वागत महाप्रबंधक दुधीचुआ अनुराग कुमार और धन्यवाद ज्ञापन स्टाफ अधिकारी (कार्मिक) कविता गुप्ता द्वारा किया गया। गौरतलब है कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत एनसीएल के सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यशाला में श्रम मंत्रालय भारत सरकार की ओर से उप मुख्य श्रमायुक्त (केंद्रीय) सुनील कुमार, सहायक श्रमायुक्त एमके दीक्षित एवं श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रभात कुमार तिवारी, महाप्रबंधक (कार्मिक) चार्ल्स जुस्टर उपस्थित रहे।

महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बुलंद की आवाज आधी आबादी का सम्मान

सोनभद्र। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मंगलवार को महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद की गई। आधी आबादी की सुरक्षा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महिलाओं को सम्मानित किया गया। समूह सखी व बालिकाओं ने भरूण हत्या व दहेज की रोकथाम पर नाटक प्रस्तुत का मंचन किया गया। यह दिवस जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न संगठनों की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महिला उत्थान की दिशा में बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान से पुरस्कृत किया गया। वन स्टाप सेंटर लोढ़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव पंकज सिंह, डीसी एनआरएलएम एके जौहरी, जिला प्रोबेशन अधिकारी पुनीत टंडन ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर गोष्ठी का शुभारंभ किया। यहां समूह सखी व बालिकाओं ने भरूण हत्या, दहेज की रोकथाम पर नाटक प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रेरणा देने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र दिया गया। इसमें शिक्षा विभाग से 10, स्वास्थ्य विभाग 10, बाल विकास विभाग 5, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से 5, महिला कल्याण विभाग से 40 महिलाओं को उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। समारोह में नीलम सिंह, सरोजमा सिंह, संतू सरोज, सीमा सिंह, नीतू यति सिंह, साधना मिश्रा, सीमा द्विवेदी, वीणा राव, रविता, रोमी पाठक, गायत्री दुबे, नेहा अग्रहरी, मांडवी सिंह समेत अन्य मौजूद रहे। उधर पंचशील मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में प्रबंधक पवित कुमार मौर्या ने महिला स्टाफ को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर महिला शक्ति सम्मान से सम्मानित किया। यहां शिक्षिका प्रीति शाह, रामाश्रय पटेल, पिटू कुमार, सविता, सामिया, चंदन, सैफीन आदि मौजूद रहे। दुद्धीः तहसील मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों में कई समाजिक संगठनों ने महिला दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए। टाउन क्लब मैदान में प्रगतिशील महिला संगठन तो रामनगर रेलवे गेट के समीप विधान संस्था ने कार्यक्रम के जरिए महिला अधिकार के लिए आवाज बुलंद किया। दुद्धी क्रिकेट क्लब मैदान में सभाकक्ष में मंगलवार को विचार गोष्ठी हुई। अध्यक्षता पिकथान खेलरूप की एंबेस्डर संगीता वर्मा ने किया। यहां चंद्रावती, विद्यावती, रानी, ललिता, मीना, सुनीता, अंजूलता देवी आदि मौजूद रहीं। शक्तिनगरः काशी विद्यापीठ एनटीपीसी शक्तिनगर परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि डा. सविता नायक स्त्री रोग विशेषज्ञ, संजीवनी चिकित्सालय शक्तिनगर रहीं। यहां कार्यक्रम अधिकारी डा. निशा कुमारी, डा. रागिनी श्रीवास्तव, डा. राम कीर्ति सिंह, डा. प्रभाकर लाल आदि मौजूद रहे। डालाः उपक्रम एजुकेशनल फाउंडेशन ने चौपाल लगाया। यहां महिलाओं में शिक्षा का जागरण किया गया। इस दौरान समरिया देवी, मीना, शांति देवी, प्रियंका, चंद्र प्रकाश तिवारी आदि मौजूद रहे। बीजपुर में एनटीपीसी के रिहंद स्टेशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। मुख्य महाप्रबंधक देवब्रत पाल रहे। यहां महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के टिप्स दिए गए। इस दौरान वर्तिका महिला मंडल अध्यक्षा ऋतुपर्णा पाल, रीना कुमारी, शिक्षा गुप्ता, रेणु सक्सेना मौजूद रहीं। अनपराः रेणुसागर ग्रामीण विकास विभाग ने ग्राम लोझरा में गोष्ठी किया। यहां महिलाओं की विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। इस दौरान संजीव श्रीवास्तव, एचआर हेड शैलेश विक्रम सिंह, अनिल झा, संजीव श्रीवास्तव, सुनीता शर्मा, राजनाथ यादव, आराधना आदि मौजूद रहीं।

राजनीतिक दलों के कार्यालयों पर छाया रहा सन्नाटा

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव के कारण मतदान के पूर्व तक गुलजार रहे राजनीतिक दलों के कार्यालय,

मंगलवार को सन्नाटा छाया रहा। ज्यादातर कार्यालय पर कार्यकर्ता व राजनेता नजर नहीं आए। महज भाजपा के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत चौबे कुछ कार्यकर्ताओं के साथ मतगणना को लेकर विचार-विमर्श करते दिखे। विधानसभा चुनाव की घोषणा के पूर्व से ही राजनीतिक दलों के कार्यालय गुलजार हो गए थे। पार्टी दफ्तरों पर दिनभर पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की भीड़ लगी रहती थी। कोई टिकट की आस में कार्यालय का चक्कर काट रहा था तो तमाम कार्यकर्ता अपने नेता के समर्थन में पहुंचते थे कि ज्यादा भीड़ देख शायद उनके नेता को टिकट मिल जाए। जब प्रत्याशियों की घोषणा हुई तो भी पार्टी कार्यालय गुलजार रहे। हालांकि इस दौरान प्रत्याशियों के विधानसभा चुनाव कार्यालय भी खुल गए थे लेकिन जिला कार्यालय पर भी कार्य करते रहते थे। वहां कार्यकर्ताओं की भीड़ लगी रहती थी। सोमवार को मतदान संपन्न होने के बाद मंगलवार को सपा, बसपा व कांग्रेस के कार्यालय खुले तो रहे लेकिन वहां कार्यकर्ता नदारद रहे।

नक्सल क्षेत्र में शुरू हुई मोबाइल नेटवर्क सेवा

गुरमा (सोनभद्र)। नगवां ब्लाक के अति नक्सल प्रभावित चेरूई गांव में एक निजी कंपनी के मोबाइल नेटवर्क सेवा शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी है। चेरूई ग्राम पंचायत में स्थित प्राथमिक विद्यालय के बाउंड्री के बगल में दो सप्ताह के भीतर कंट्रोल रूम समेत टावर खड़ाकर सोमवार को नेटवर्क का संचालन शुरू कर दिया गया। इससे लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। जो लोग नेटवर्क से पूरी तरह से दूर थे अब उनका मोबाइल के जरिए काफी काम आसान हो जाएगा।

इस संबंध उमाशंकर तिवारी, बनारसी पाण्डेय, काशी, राजू, ओमप्रकाश, मोहन पाण्डेय इत्यादि लोगों ने बताया कि दूर संचार व्यवस्था न होने से पहाड़ के ऊपर कोदई क्लस्टर के तमाम गांवों में नेटवर्किंग की समस्या प्रमुख रूप से देखने को मिलती थी। चिरुई के पड़ोसी गांव पल्हारी में आधार कार्ड से पैसा निकालने पहाड़ी गांव में लोगों को जाना पड़ता था। मोबाइल का नेटवर्किंग कार्य भी सुचारु रूप से नहीं कार्य करता था। अब सभी समस्या का समाधान हो जाने से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

केंद्रीय टीम कल परखेगी स्वच्छता अभियान की हकीक

मीरजापुर। केंद्र सरकार की टीम 11 मार्च को मीरजापुर में स्वच्छता अभियान की हकीकत को परखेगी। इसके मद्देनजर जिला पंचायतराज विभाग तैयारियों में जुट गया है। डीपीआरओ अरविद कुमार ने जिले में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के कार्यों की बिदुवार बुधवार को बिदुवार समीक्षा की। एडीओ पंचायत, जिला व ब्लाक समन्वयकों को ससमय तैयारी पूर्ण करने के बाबत आवश्यक दिशा- निर्देश दिया।डीपीआरओ ने कहा कि गांवों में नियमित साफ-सफाई की जाए। ग्राम पंचायत के सभी मजरे, मोहल्ला में गहन सफाई अभियान, सार्वजनिक भवन, स्कूल, पंचायत भवन, सामुदायिक भवन, बैंक, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत सचिवालय सहित किसी भी स्थान पर कूड़ा का अंबार, गंदगी तथा जलभराव नहीं होना चाहिए। जिला समन्वयक विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि सर्वेक्षण वाले ग्राम पंचायतों में टीम द्वारा डस्टबिन की स्थापना ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था सार्वजनिक एवं शासकीय भवनों पर महिला एवं पुरुष हेतु अलग-अलग शौचालय मूत्रालय की व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया जाएगा। ग्राम पंचायत में निर्मित शासकीय अनुदान एवं व्यक्तिगत धनराशि से व्यक्तिगत शौचालयों का भी निरीक्षण टीम करेगी। कम से कम 20 घरों का जिसमें 5 परिवार एससी और एसटी के एवं 15 परिवार सामान्य कैटेगरी के हो सकते हैं। पंचायत में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन में कराए गए ग्राम पंचायतों की धनराशि से सोख्ता गड्ढा कंपोस्ट डस्टबिन भी देखेंगे। ग्राम पंचायत में पंचायत सहायकों के माध्यम से स्वच्छता संबंधी जागरूकता तथा ग्राम पंचायत की धनराशि से स्लोगन नारा दीवार लेखन भी स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2022 एवं 21 लिखवा दें। माहवारी प्रबंधन के लिए इंसीनरेटर की व्यवस्था के लिए आंगनबाड़ी एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से गांव में बैठक करा लें। पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय में क्रियाशीलता अवश्य देखी जाएगी। जिला समन्वयक सुनील उपाध्याय आदि रहे।

शेयर बाजार में रुपये डूबे तो व्यापारी ने लगा ली फांसी, मौत

मीरजापुर। शहर कोतवाली के पसरहट्टा मोहल्ला निवासी व्यापारी पसरहट्टा मोहल्ला निवासी पुरुषोत्तम मुडडा (45) शेयर बाजार में रुपये डूबने से सोमवार की रात अपने कमरे की छत से रस्सी का फंदा लगाकर झूल गया। सुबह स्वजन दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुरुषोत्तम आभूषण का व्यापारी था। इसके साथ ही उसने शेयर बाजार में कुछ रुपये लगाए थे। इसमें उनको काफी मुनाफा भी होता था तो कभी कभार कुछ घाटा भी लगता था। वह लगातार इस क्षेत्र में रकम लगाता रहा। इन दिनों इसमें लाखों रुपये लगाए थे। सोचा था कि अच्छा मुनाफा होगा। इसी बीच रूस और यूक्रेन में युद्ध शुरू हो गया। इससे शेयर बाजार का भाव गिरने लगा। यह देख सोचा कि यह संभलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और भाव गिरते ही गए। इससे उसके इसमें लाखों रुपये डूब गए। ऐसे में उसको गहरा धक्का लगा और सदमे में रहने लगा। हालांकि इसके बारे में किसी को नहीं बताया। अंदर ही अंदर वह इससे परेशान रहा। सोमवार की शाम अपने साथियों को पार्टी भी दी थी। कहा कि यह उसकी यादगार पार्टी रहेगी। सभी

लोगों को जमकर खिलाया और खुद भी खाया। इसके बाद रात का घर सोने चले आया। कमरे का अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। सुबह देर तक कमरे से बाहर नहीं निकला तो स्वजन जगाने के लिए गए। कई बार आवाज लगाकर उठाने का प्रयास किया, लेकिन अंदर से कुछ आवाज नहीं आई। ऐसे में खिड़की से झांककर देखा तो वह कमरे में गाटर के चुल्ले में रस्सी से लगे फंदे के सहारे झूल रहा था। यह देख सभी शोर मचाने लगे। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। स्वजन ने बताया कि इसमें उन्होंने कितने रुपये लगाए थे इसके बारे में किसी को जानकारी नहीं है। बस इतना पता है कि शेयर बाजार में रुपये लगाते थे। वह पांच भाइयों व चार बहनों में सबसे छोटा था।

डाकघर के आवासी परिसर के पीछे झाड़ी में मिला युवक का शव

मीरजापुर। शहर कोतवाली के फतहां स्थित डाकघर आवासीय परिसर के पीछे झाड़ी में बुधवार की सुबह मजदूर रवि विश्वकर्मा (23) का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत नशे का अधिक डोज लेने के कारण होने की आशंका जताई जा रही है। पक्का पोखरा मोहल्ला निवासी रवि विश्वकर्मा शराब के अलावा हेरोइन भी पीता था। करीब एक साल पूर्व उसकी नगर क्षेत्र के घंटाघर निवासी पूजा विश्वकर्मा के साथ शादी हुई थी। उसको तीन महीने का एक बच्चा भी है। शादी के बाद जब पूजा को रवि के द्वारा नशा करने की जानकारी हुई तो वह नशा छोड़ने का दबाव बनाने लगी। तमाम कोशिश के बावजूद वह नशा छोड़ने को तैयार नहीं हुआ। इसी बात को लेकर दोनों में आए दिन विवाद होने लगा। इससे नाराज होकर पूजा अपने मायके चली जाती थी। फिर घर वालों के मनाने पर चली आती थी। करीब तीन महीने पूर्व एक बार फिर दोनों में विवाद होने पर पूजा अपने मायके चली गई थी। मंगलवार की सुबह रवि घर से खाना खाने के बाद टहलने के लिए निकला इसके बाद लौटकर वापस नहीं आया। रात को फतहां इलाके में देखा गया था। सुबह जब कुछ सफाई कर्मी डाकघर के आवासीय परिसर के पीछे कुड़ा फेंकने गए तो झाड़ी में एक युवक का शव पड़ा देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना फतहां चौकी की पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे चौकी इंचाज्र रामसिंहासन शर्मा ने आसपास के लोगों से उसकी पहचान कराई तो लोगों ने बताया कि यह रवि का शव है। चौकी इंचार्ज ने स्वजन को सूचना देकर बुलाया तो युवक के बारे में पूरी जानकारी हुई ।

सोन नदी में नाव डूबी, एक ही परिवार के तीन लोग लापता

सोनभद्र। सीमावर्ती मध्यप्रदेश के सिंगरौली जनपद में चितरंगी के पास अंजना पत्नी राजेश केवट (25) नदी में डूब गए। सिंगरौली के गढ़वा थाने

रविवार को सोन नदी में नाव डूबने से तीन लोग लापता हो गए। दोपहर करीब दो बजे सोनभद्र के जुगैल थानांतर्गत बेलगढ़ी से एक ही परिवार के छह लोग नाव से केवटली घाट अपने ननिहाल जा रहे थे। उसी दौरान नाव नदी में डूब गई। इस दौरान तीन लोग किसी तरह बाहर आ गए लेकिन कन्हैया(12), छोटू (8) पुत्र कैलाश जायसवाल एवं की पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी। हालांकि घटना के चार घंटे बाद भी तीनो का पता नहीं चल पाया है। घटना से जुगैल पुलिस को अवगत करा दिया गया है। गोताखोरों की मदद से खोज जारी है। हालांकि अंधेरा के साथ पानी काफी ठंडा होने के कारण खोजबीन में बाधा हो रही है। इस बीच एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया है।

गोपालपुर में फंसे सोनभद्र के 28 लोगों को भेजा गया वापस

राजपु। बलरामपुर जिले के राजपुर विकासखंड के ग्राम गोपालपुर में फंसे उत्तरप्रदेश के 28 लोगों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मदद से गुरुवार को उनके गृह ग्राम के

लिए रवाना कर दिया गया। बकायदा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट से उनकी आवाजाही के लिए अनुमति दी गई और वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित कर सभी को घर भेज दिया गया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मिले सहयोग के प्रति लोगों ने आभार जताया। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के कुछ लोग परिवार के सदस्यों के साथ राजपुर विकासखंड के गोपालपुर साप्ताहिक बाजार में अपना डेरा जमाए थे। परिवार के वयस्क पुरुष सदस्य घूम-घूमकर आसपास के गांवों में कृषि औजारों को धार करने के अलावा घरेलू उपयोग की सामग्रियों का सुधार का कार्य किया करते थे। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव और रोकथाम के लिए लॉकडाउन की घोषणा के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग जागरूक हो गए हैं और बाहरी लोगों के संपर्क में आने से बच रहे हैं। उत्तरप्रदेश के सोनभद्र से आए लोगों को काम भी नहीं मिल पा रहा था और सुरक्षा की दृष्टि से भी उनका गोपालपुर में रहना उचित नहीं माना जा रहा था। वाहनों की व्यवस्था नहीं होने से वे वापस भी नहीं लौट पा रहे थे। इन लोगों की मंशा अपने अपने गांव वापस लौट जाने की थी। गोपालपुर निवासी भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल दुबे ने लोगों को वापस उनके घरों तक भिजवाने के लिए पहल की किराए में वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित करें। एसडीएम आरएस लाल और तहसीलदार सुरेश राय से संपर्क किया गया। दोनों अधिकारियों ने भी गोपालपुर में फंसे सोनभद्र जिले के लोगों को वापस भेजने सहमति दे दी और बकायदा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ओर से लिखित में आदेश जारी हुआ, उसी आदेश के साथ लोगों को वापस भेज दिया गया। पूरी प्रक्रिया करने के बाद सभी को वापस भेजा गया था कि रास्ते में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उत्तरप्रदेश की सीमा को भी सील कर दिया गया है, लेकिन अधिकारी का आदेश होने के कारण इन लोगों को वापस जाने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी। धनवार बैरियर पर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को भी सोनभद्र जिले के लोगों को जाने देने की सूचना दे दी गई है। रवानगी के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार दुबे, सरपंच गोहनदुल राम, सचिव पवन राम, रोजगार सहायक अर्जुन सिंह, मंसूर आलम, प्रशांत रय, रामनाथ राम, पूरन राम, मंगल सिंह, रामसूरत सिंह उपस्थित थे।

मिड डे मील में 1 लीटर दूध में एक बाल्टी पानी मिला 85 बच्चों को पिलाया था, हुई ऐसी कार्रवाई

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार मिल डे मील के नाम पर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को बेहतर पोषण देने का दावा करे लेकिन हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। सोनभद्र के एक सरकारी स्कूल में

ऐसी घटना सामने आई है जिसे जानकर चौंकना लाजमी है। सोनभद्र के कोटागांव के सलईबनवा प्राथमिक विद्यालय में मिड डे मील के दौरान 1 लीटर दूध 85 बच्चों को बांटने का मामला सामने आया है। यह कारनामा एक लीटर दूध में एक बाल्टी पानी मिलाने के बाद किया गया। इस स्कूल में 171 छात्रों का रजिस्ट्रेशन है, वहीं जिस दिन यह घटनाक्रम हुआ उस दिन 81 छात्र स्कूल में उपस्थित थे। मिड डे मील के नाम पर यहां सिर्फ 1 लीटर दूध की थैली दी गई। जिसे 85 बच्चों को बांटने के लिए उसमें एक बाल्टी पानी मिला दिया गया। वहीं मामले के तूल पकड़ने के बाद सोनभद्र के कलेक्टर ने कहा कि इस मामले में शिक्षा मित्र के खिलाफ ईर्दज करा दी गई है। इस मामले शिक्षकों को भी तय समय के पहले दूध की उपलब्धता सुनिश्चित ना करने पर सस्पैंड किया गया है। इसके पूर्व सहायक शिक्षा अधिकारी ने इस मामले को लेकर कहा था कि वह मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि 'मुझे बताया गया था कि दूध उपलब्ध नहीं है। इसके बाद जिम्मेदारों द्वारा उन्हें दूध में बेलेंस क्वांटिटी में पानी मिलाने को कहा गया था। मुझे यह भी कहा गया कि शिक्षक और दूध लेने गए थे लेकिन इस दौरान ही तस्वीरें क्लिक कर ली गईं और उन्हें बांट दिया गया। यह पहला मौका नहीं है जब मिड डे मील के नाम पर अनियमितता सामने आई है।

जहरीले सांपों से घिरी हैं सोनभद्र में मिली सोने की खदानें

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में सोने की खदान मिली है। इस खदान में 3 हजार टन सोने का भंडार मिला है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को सोनभद्र में सोन पहाड़ी और हरदी इलाकों में टीले के नीचे लगभग 3 हजार टन सोना मिला है। ये सोना भारत के पास मौजूदा स्वर्ण भंडार से करीब 5 गुना ज्यादा है। लेकिन अब इन पहाडियों को लेकर चौंकाने वाली बात सामने आई है कि विंध्य की इन पहाडियों में दुनिया के बेहद जहरीले माने जाने वाले सांपों का डेरा है। यानि कहा जा सकता है कि ये जहरीले सांप ही अब तक सोने की इन खदानों की रक्षा करते रहे हैं। सोनभद्र के सोन पहाड़ी क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा सर्वेक्षण के दौरान पता चला कि इस पूरे इलाके जहरीले सांपों का डेरा। सोनभद्र जिले के जुगल थाना क्षेत्र के सोन पहाड़ी के साथी दक्षिणांचल के दुद्धी तहसील के महोली विंढमगंज चोपन ब्लाक में

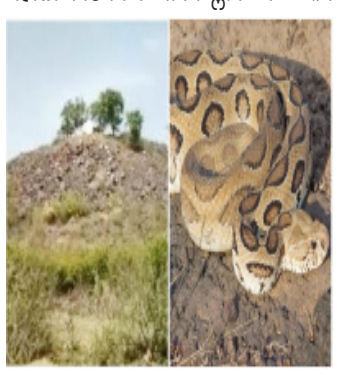

काफी संख्या में सांप मौजद हैं। इनमें रसेल वाइपर, कोबरा और करैत प्रजाति के सांपों के अलावा कई अन्य प्रजातियों के सांप शामिल हैं। ये सांप दुनिया में बेहद जहरीले माने जाते हैं। ये सांप इतने जहरीले हैं कि यदि ये किसी को काट ले तो उसका बचना संभव नहीं है।सोनभद्र क्षेत्र में रसेल वाइपर की संख्या काफी ज्यादा है। पूरे प्रदेश में केवल इसी इलाके में ये जहरीले सांप मिलते हैं। इसके अलावा कोबरा और करैत प्रजाति के जहरीले सांप भी इसी इलाके में पहाडियों के आस-पास हैं। यहां बड़ी संख्या में इन सांपों का डेरा है। इसी कारण यहां कोई आता-जाता नहीं है। अब जब इन पहाडियों में सोने की खदान निकली है तो खनन अधिकारी-कर्मचारियों के लिए इन सांपों से निपटना बड़ी चुनौती होगी। सांप विशेषज्ञों के मुताबिक रसेल वाइपर और कोबरा दुनिया के बेहद जहरीले सांपों में से हैं। रसेल वाइपर का जहर हीमोटॉक्सिन होता है जिससे प्रभावित का खून जम जाता है।

2022: वर्ल्ड कप में झूलन ने रचा इतिहास, किया इस रिकार्ड की बराबरी

नई दिल्ली। आइसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप के दूसरे मैच में भारत की अनुभवी गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में आस्ट्रेलियाई गेंदबाज लिन फुल्सटोन की बराबरी कर ली है। सेडान पार्क हैमिल्टन में खेले जा रहे मैच में भारत को 261 रनों का लक्ष्य मिला है। इस मैच में झूलन गोस्वामी ने 9 ओवर की गेंदबाजी की और 1 विकेट लिया। इस विकेट के साथ ही उनका वर्ल्ड कप में 39 विकेट हो गया है। अब वे वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वाधिक विकेटों के मामले में फुल्सटोन के साथ शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने मैच के आखिरी ओवर में कैटी मार्टिन का विकेट लेकर ये उपलब्धि हासिल की। पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में भी उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की थी। उस मैच में उन्होंने 26 रन देकर 2 विकेट लिए थे। दो दशकों तक भारतीय गेंदबाजी की धूरी रही झूलन का ये 5वां वर्ल्ड कप है। झूलन

के पास 12 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे मैच में इतिहास रचने का मौका होगा। इससे पहले टास हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित ओवर में 9 विकेट पर 260 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे अधिक रन एमी सैथर्टवेट ने बनाए हैं। उन्होंने 75 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली है।

एमसीसी द्वारा नियमों में बदलाव का सचिन ने किया समर्थन तो सहवाग ने अश्विन को लेकर की ये बात

नई दिल्ली। क्रिकेट से जुड़े नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। हालांकि ये बदले हुए नियम 1 अक्टूबर 2022 से लागू होंगे। नियमों में हुए बदलाव के बाद क्रिकेट की दुनिया से अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। सचिन तेंदुलकर ने एमसीसी के इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने एक ट्विटर पर एक वीडियो संदेश के माध्य से इसका स्वागत किया है। उन्होंने जिन दो बदलावों का स्वागत किया है उसमें से पहला है मांकडिंग जिसे अब रन आउट की श्रेणी में कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैं इस नियम से हमेशा खुद को सहज नहीं मानता था। उन्होंने कहा कि इसे हमेशा से रन आउट होना चाहिए था। उन्होंने जिस दूसरे बदलाव का स्वागत किया है वो है कैट आउट के बाद नए बैटर द्वारा स्ट्राइक लेना। उन्होंने कहा कि एक गेंदबाज ने अगर विकेट लिया है तो उसको इसका फायदा जरूर मिलना चाहिए। दूसरी तरफ विरेंद्र सहवाग ने मांकडिंग को लेकर

रविचंद्रन अश्विन को टैग किया है। उन्होंने लिखा है कि अब अश्विन ऐसा करने के लिए पूरी तरह से आजाद हैं। उन्होंने अश्विन को कहा है कि एक बार ऐसा करना जरूर। अश्विन ने 2019 आइपीएल में पंजाब और राजस्थान के बीच मैच के दौरान जास बटलर को मांकडिंग करने का प्रयास किया था जिसे लेकर क्रिकेट जगत में अश्विन के व्यव्हार की खूब चर्चा हुई थी और इसे खेल भावना के खिलाफ बताया गया था। इसके अलावा इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड ने भी भी मांकडिंग को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसके समर्थन में कहा है कि इसे हमेशा से रन आउट की श्रेणी में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये गेंदबाजों के पास विकेट लेने का एक ऐसा मौका होता है जिसके लिए किसी स्किल की जरुरत नहीं होती है। मांकड के लिए आपको जीरो स्किल की जरुरत होती है।

रोहित व कोहली नहीं भारतीय धरती पर कौन बल्लेबाज 'बास' की तरह करता है बल्लेबाजी गावस्कर ने बताया

नई दिल्ली। भारत को श्रीलंका के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट मैच 12 मार्च से खेलना है और उससे पहले टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारतीय टेस्ट ओपनर मयंक अग्रवाल की जमकर तारीफ

की है। गावस्कर ने मयंक के बारे में कहा कि अगर आप गौर से देखें तो उन्होंने भारत की घरेलू सीरीज में हमेशा ही रन बनाए है। वो भारत में बास की तरह बल्लेबाजी करते है, लेकिन विदेशों में रन नहीं बनाते। घरेलू टेस्ट सीरीज में वो कम से कम एक बड़ा शतक या फिर दोहरा शतक जरूर लगाते है तो रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत उन्हें ही करनी चाहिए। दरअसल श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में शुभमन गिल के ऊपर तरजीह देते हुए भारतीय टीम मैनेजमेंट ने रोहित शर्मा के साथ मयंक अग्रवाल को ओपनिंग की जिम्मेदारी सौंपी थी। वहीं तीसरे नंबर पर हनुमा विहारी को जगह दी गई थी और गिल को बाहर बैठना पड़ा था। गावस्कर ने गिल के बारे में कहा कि उन्होंने पिछले दो महीनों से क्रिकेट नहीं खेला है साथ ही उन्होंने रणजी ट्राफी में भी नहीं खेला। जब आप भारत के लिए खेलने आते है तो आपको थोड़े अभ्यास की जरूरत होती है। गिल में काफी प्रतिभा है, लेकिन अन्य किसी बल्लेबाजी के फार्म को आप नजरअंदाज नहीं कर सकते है। आपको बता दें कि मयंक ने मोहाली टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन 33 रन ही बना पाए। इसके अलावा सुनील गावस्कर ने कहा कि भारतीय प्लेइंग इलेवन में हनुमा विहारी और श्रेयस अय्यर को बनाए रखना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि अगर आप नंबर तीन की बात करें तो वहां पर हनुमा विहारी हैं और उन्होंने क्या गलत किया है। उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान एक मौका मिला था जहां पर उन्होंने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ बेहद संयम के साथ बल्लेबाजी की और दूसरी पारी में भारत के लिए रन जुटाए थे। वहीं मोहाली टेस्ट में नंबर तीन पर उन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी ऐसे में उन्हें टीम में बनाए रखना चाहिए।

मांकडिंग को आफिशियल रन आउट का दर्जा मिलने के बाद सोशल मीडिया पर अश्विन के समर्थन में उतरे फैंस लिखा ये उनकी जीत है

नई दिल्ली। एमसीसी द्वारा क्रिकेट के नियमों में किए गए बदलाव में सबसे ज्यादा जिस नियम की चर्चा हो रही है वो है मांकडिंग का नियम जिसे लेकर सोशल मीडिया फर फैंस ने तरह-तरह की प्रतिक्रिया दी है। फैंस ने अश्विन का नाम लेकर ट्विट किया है कि मांकडिंग का आफिशियल हो जाना अश्विन की जीत है। आपको बता दें कि आइपीएल 2019 में पंजाब के कप्तान अश्विन ने जब राजस्थान रायल्स के बल्लेबाज जास बटलर को मांकडिंग किया था तो क्रिकेट जानकारों ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया था। इसके बाद अश्विन को लेकर अलग-अलग तरह की बातें भी हुई थी। लेकिन एमसीसी द्वारा किए गए संशोधन के बाद अब इसे अनफेयर की श्रेणी से हटा दिया गया है। ये अब रन आउट की श्रेणी में आएगा। पहली बार मांकडिंग शब्द चर्चा में तब आया था जब 1948 में भारत के वीनू मांकड़ ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बिल ब्राउन को नान स्ट्राइकर एंड पर कई बार क्रिज से बाहर निकलने के कारण चेतावनी दी थी। इसके बाद इस घटना को आस्ट्रेलियाई

मीडिया द्वारा मांकडिंग का नाम दे दिया गया। आइपीएल 2019 में पंजाब और राजस्थान के बीच मैच में भी इस तरह की घटना देखने को मिली थी जब अश्विन ने जास बटलर के साथ ऐसा किया था। अब तक इस नियम को अनफेयर की श्रेणी में रखा गया था लेकिन अब इसे 1 अक्टूबर के बाद आफिशियल रन आउट माना जाएगा। एमसीसी द्वारा किए गए इस संशोधन के बाद अश्विन के समर्थन में सोशल मीडिया पर कई फैंस ने प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने लिखा है कि उम्मीद है ये गेंदबाजों और बल्लेबाजों के बीच के लेवल को कम करेगा। जाने-माने कामेंटेटर हर्षा भोगले ने भी वाइड जजमेंट नियम में किए गए बदलाव को सही बताया है। उन्होंने ट्विट किया है कि वाइड को लेकर किया गया बदलाव गेंदबाजों के हित में है। उन्होंने मांकडिंग को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि आखिर बल्लेबाज द्वारा किया गया अनफेयर एक्ट की सजा गेंदबाजों को क्यों मिलती थी। इसे तो कभी भी अनफेयर की श्रेणी में नहीं होना चाहिए था। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि खेल भावना नाम की कोई भी चीज नहीं होनी चाहिए और उन्हें रोका जाना चाहिए। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि मुझे हमेशा से विश्वास था कि ये रनआउट करने का कानूनी तरीका है।

भारत को मिला 261 रन का टारगेट पूजा वस्त्रकार ने लिए चार विकेट

नई दिल्ली। आइसीसी महिला वर्ल्ड कप 2022 के एक 8वें मुकाबले में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 260 रन बनाए। भारत को इस मैच में जीत दर्ज करने के लिए 261 रन का टारगेट मिला। न्यूजीलैंड को इस स्कोर तक पहुंचाने में एमी सैटर्थवेट की 75 रन की पारी और अमेलिया केर की 50 रन की पारी का अहम योगदान रहा। भारत की तरफ से पूजा वस्त्रकार ने शानदार गेंदबाजी की और 10 ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट चटकाए। इस मैच में भारत ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सूजी बेट्स महज 5 रन बनाकर रन आउट हो गईं। इसके बाद कप्तान सोफी डिवाइन 35 रन बनाकर पूजा का पहला शिकार बनीं। इसके बाद अमेलिया केर ने 50 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन वो राजेश्वरी गायकवाड़ की गेंद पर आउट हो गईं। मैडी ग्रीन को सिर्फ 27 रन के स्कोर पर दीप्ति शर्मा ने पवेलियन भेज दिया तो वहीं एमी सैटर्थवेट ने 75 रन का जबरदस्त योदगान टीम के लिए दिया, लेकिन वो पूजा की गेंद पर मिताली के हाथों कैच आउट हो गईं। फिर केटी मार्टिन ने टीम

के लिए 41 रन बनाए और उनकी पारी का अंत झूलन गोस्वामी ने किया। भारत की तरफ से पूजा ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ ने दो और झूलन गोस्वामी व दीप्ति शर्मा ने एक-एक शिकार किए। स्मृति मंधाना, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, रिचा घोष (विकेटकीपर), सन्हे राणा, पूजा वस्त्राकर, झूलन गोस्वामी, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़। सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, अमेलिया केर, एमी सैटर्थवेट, मैडी ग्रीन, फ्रांसिस मैके, केटी मार्टिन (विकेटकीपर), हेले जेन्सेन, ली ताहुहू, जेस केर, हनन रोवे।

30 अप्रैल तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहेंगे शाकिब अल-हसन, बोर्ड ने लिया एक्शन

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को ये एलान किया कि आलराउंडर शाकिब-अल-हसन 30 अप्रैल तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से

दूर रहेंगे। बोर्ड के इस फैसले के बाद शाकिब दक्षिण अफ्रीका का दौरा नहीं कर पाएंगे। बांग्लादेश को दक्षिण अफ्रीका से वनडे और टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है जो 12 मार्च से 8 अप्रैल के बीच होगी। हालांकि अभी तक बोर्ड की तरफ से शाकिब को लेकर किसी तरह के रिप्लेसमेंट की बात नहीं की गई है। अब बांग्लादेश की वनडे टीम बिना उनके दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन ने शाकिब के इस फैसले पर उनकी आलोचना की थी और दक्षिण अफ्रीका दौरे से उनके नाम वापस लेने के फैसले पर सवाल उठाया था। इतना ही नहीं उन्होंने शाकिब के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के प्रति उनके समर्पण पर भी संदेह जताया था। उन्होंने कहा था कि क्या वे आइपीएल में चुने जाने के बाद भी इस तरह का ब्रेक लेते। मुझे लगता है कि यह सोचना तर्कसंगत है कि अगर वह खराब शारीरिक और मानसिक स्थिति में होते, तो वह आइपीएल नीलामी में अपना नाम नहीं देते हालांकि इस पूरे मसले पर शाकिब ने कहा है कि वे बहुत थका महसूस कर रहे है और अपने साथियों के साथ धोखा नहीं करना चाहते है। उन्होंने ये भी कहा कि वे 22 नवंबर तक ब्रेक चाहते थे लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

2017 के बाद रवींद्र जडेजा अपने इस खास प्रदर्शन के दम पर बने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर

नई दिल्ली। भारतीय टीम शनिवार को बेंगलुरु के एम चिन्नस्वामी स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के दूसरे व अंतिम टेस्ट में उतरेगी, लेकिन उससे पहले आइसीसी की ताजा जारी टेस्ट रैंकिंग में रवींद्र जडेजा ने आलराउंडर सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ऐसे में मोहाली टेस्ट में अपने बल्ले और गेंद से धमाल मचाने वाले जडेजा गुलाबी गेंद से होने वाले बेंगलुरु टेस्ट में एक बार फिर सुर्खियां बटोरना चाहेंगे। अब न सिर्फ उनके खुद के ऊपर नंबर वन के ताज की लाज रखने की जिम्मेदारी होगी, बल्कि भारत ने पहला टेस्ट एक पारी और 222 रन से जीता था। जडेजा को प्लेयर आफ द मैच चुना गया था।ऐसे बने नंबर एक आलराउंडर : मोहाली टेस्ट से पहले जडेजा नंबर तीन रैंकिंग के आलराउंडर थे। जडेजा ने मोहाली टेस्ट में नाबाद 175 रन बनाए, जिसकी वजह से वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 17 पायदान की छलांग लगाकर 54वें से 37वें स्थान पर पहुंचे। बल्लेबाजी में उनके 578 रेटिंग अंक हैं। मोहाली टेस्ट में उन्होंने दोनों पारियों में मिलाकर नौ विकेट भी लिए, जिससे वह गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थानों के फायदे से 17वें स्थान पर पहुंचे। अगस्त 2017 में भी शीर्ष पर पहुंचे थे और एक सप्ताह तक रहे थे।ऐसा रहा जडेजा का प्रदर्शन : आइसीसी रैंकिंग में आम तौर पर पिछले 12 से 15 महीनों में किए गए प्रदर्शन की बात की जाती है। यदि एक जनवरी 2021 से किए गए प्रदर्शन को देखें तो जडेजा ने उसके बाद से आठ टेस्ट खेले हैं और इस दौरान 40.36 की औसत से 444 रन बनाए हैं, जिनमें उन्होंने एक शतक जड़ा, जो पिछले टेस्ट में नाबाद 175 रन के स्कोर के साथ आया। जडेजा साथ ही 22.52 की औसत से 25 विकेट लेने में सफल भी रहे। इस दौरान उन्होंने एक बार पारी में पांच

प्रशंसक भी उनसे और बेहतर प्रदर्शन की आस लगाएंगे।आइसीसी ने कहा, 'रवींद्र जडेजा का श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में टेस्ट सीरीज में प्रदर्शन शानदार रहा। इसकी बदौलत वह आइसीसी पुरुष खिलाड़ियों की टेस्ट आलराउंडर रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गए।' गेंदबाजी में उनके 704 रेटिंग अंक है। बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन का फायदा जडेजा की आलराउंडर रैंकिंग पर पड़ा और वह वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को हटाकर एक बार फिर शीर्ष आलराउंडर बन गए। होल्डर फरवरी 2021 से नंबर एक पायदान पर बने हुए थे। जडेजा विकेट झटके। यह भी उन्होंने पिछले टेस्ट में ही 41 रन देकर पांच विकेट के साथ किया था।अश्विन को हुआ नुकसान : जडेजा के नंबर एक आलराउंडर बनने से अब जेसन होल्डर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। आलराउंडर सूची में भारत के रविचंद्रन अश्विन को एक पायदान का नुकसान हुआ है और वह दूसरे से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अक्षर पटेल दो स्थान के नुकसान के साथ 14वें स्थान पर आ गए हैं। अक्षर चोट के कारण मोहाली टेस्ट में नहीं खेल सके थे। मोहाली टेस्ट में नहीं खेलने वाले भारत के शार्दुल ठाकुर को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह आलराउंडर सूची में 19वें पायदान पर खिसक गए है।बल्लेबाजों में लाबुशाने व गेंदबाजों में कमिंस शीर्ष पर : बल्लेबाजों में विराट कोहली दो पायदान चढ़कर पांचवें स्थान पर हैं, जबकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा छठे स्थान पर हैं। मोहाली में 96 रन बनाने वाले रिषभ पंत 10वें स्थान पर हैं। आस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशाने शीर्ष पर हैं। गेंदबाजों की सूची में अश्विन दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह 10वें स्थान पर बने हुए हैं। आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस शीर्ष पर बने हुए हैं। आइसीसी रैंकिंग का निर्धारण करते समय संन्यास ले चुके खिलाडियों को शामिल नहीं किया जाता है। आइसीसी रैंकिंग में किसी भी खिलाड़ी को बल्लेबाज और गेंदबाज के रूप में रेटिंग अंक मिलते हैं। इन दोनों के रेटिंग अंकों का आपस में गुणा कर दिया जाता है और फिर उसमें 1000 का भाग दे दिया जाता है। इस तरह से जो अंक आते हैं वह उस खिलाड़ी के आलराउंडर रेटिंग अंक होते हैं और इन अंकों के अनुसार आलराउंडर रैंकिंग का निर्धारण होता है। जडेजा के बल्लेबाजी के रेटिंग अंक 578 हैं, जबकि गेंदबाजी के रेटिंग अंक 704 हैं। 578 को 704 से गुणा करने के बाद उसमें 1000 से गुणा करने पर 406.912 आता है। चूंकि रैंकिंग में दशमलव के बाद के अंकों की गणना नहीं होती है, इसलिए जडेजा के आलराउंडर रेटिंग अंक 406 हो जाते हैं और इस तरह से वह मौजूदा खिलाड़ियों में शीर्ष पर पहुंच जाते हैं।

39 साल की उम्र में एस श्रीसंत ने क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने 39 साल की उम्र में क्रिकेट के हर प्रारूप से अपने रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। श्रीसंत ने बुधवार को ट्विटर पर एक वीडियो जारी करके अपने रिटायरमेंट की घोषणा की और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड, आइसीसी और केरल क्रिकेट एसोसिएशन का धन्यवाद अदा किया। उन्होंने अपने वीडियो में कहा कि ये मेरे लिए कठिन दिन है, लेकिन मैं लीग और टूर्नामेंट टीमें, केरल राज्य क्रिकेट संघ, बीसीसीआइ, वारविकशायर काउंटी क्रिकेट टीम, भारतीय एयरलाइंस क्रिकेट टीम, बीपीसीएल और आइसीसी, मेरे दोस्त, परिवार व फैंस का धन्यवाद अदा करता हूं। श्रीसंत ने इस रणजी सीजन में अपनी स्टेट टीम केरल के लिए खेलना शुरू किया था, लेकिन अचानक से ही उन्होंने रिटायरमेंट का फैसला किया। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर को भी अलविदा कह दिया जिसके जरिए वो फिर से भारत के लिए खेलने का सपना देख रहे थे। एस श्रीसंत ने भारत के लिए 27 टेस्ट मैच, 53 वनडे मैच और 10 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले थे।

राशिफल

मेष-: आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। आज आपका मन जीवन शैली की किताबों को पढ़ने के लिए झुका रहेगा। इस राशि के कारोबार से जुड़े लोग आज निवेश करेंगे।

वृष-: आज गलत संगत वाले लोगों से दूर रहना चाहिए. आपके लिए आपके जीवनसाथी का प्यार सच्चा है।सामाजिक मामलों में आपका समय रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ खुशी से बीतेगा।

मिथुन-: आपका कठोर रवैया मित्रों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है. पुराने निवेश से आय में वृद्धि होगी। जिद्दी न हों, इससे दूसरों को ठेस लग सकती है।

कर्क-: आज का दिन खुशियों भरा रहेगा. आज आपकी सादगी से काम बनेगा। इस राशि के लोग जिनका व्यापार है, आज किसी भी कंपनी से जुड़ने से पहले उनकी जरूरतों को समझने की कोशिश करें।

सिंह-: आज के दिन आपको घर, वाहन आदि के दस्तावेज अत्यंत सावधानी से रखने होंगे. परिवार का माहौल खराब करने से बचने के लिए वाद-विवाद से बचें।

कन्या-: आज आराम करना जरूरी साबित होगा, क्योंकि हाल के दिनों में आप काफी मानसिक दबाव से गुजरे हैं. नई गतिविधियाँ और मनोरंजन आपको आराम करने में मदद करेंगे।

तुला-: आज आप काफी ऊर्जावान रहेंगे. आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक स्थिति के लिए फायदेमंद रहेगा।बॉस की अशिष्टता के कारण कार्यक्षेत्र में आपकी प्रगति रुक सकती है

वृश्चिक-: आज आपकी आर्थिक योजना को बढ़ावा मिलेगा लेकिन आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे. आज किसी असहाय की मदद करने से खुशी मिलेगी। पेशेवर मोर्चे पर प्रयास सफल होने की संभावना है।

धनु-: काम को लेकर किए गए नए समझौते फायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन अपेक्षित लाभ नहीं देंगे. निवेश करते समय जल्दबाजी में निणय्च न लें।

मकर-: आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा. ऑफिस में लंबे समय से रुका हुआ काम आज पूरा होगा। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, पढ़ाई में मन लगेगा।

कुंभ-: आज आपकी महत्वाकांक्षाएं चरम पर होंगी. आप सफलता के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। आज आप मनोरंजन का कोई कार्यक्रम भी बना सकते हैं।

मीन-: आज आप जो शारीरिक बदलाव करेंगे, वह निश्चित रूप से आपके लुक को आकर्षक बनाएंगे. इस बात से सावधान रहें कि आप किसके साथ वित्तीय लेनदेन कर रहे हैं।

सम्पादकीय

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से उभरते सामयिक और प्रासंगिक सवाल

भारत समेत विश्व के कुछ चुनिंदा देशों द्वारा प्रयास के बावजूद रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। रूसी हमले की तीव्रता से प्रतीत होता है कि रूसी सेना इन हमलों की तैयारी पहले से ही कर रही थी और बड़े पैमाने पर हमले करने की योजना थी। हमलों की वजह से यूक्रेन से जनता का भारी पलायन हुआ है और लोग यूक्रेन से सटे हुए आसपास के देशों में शरण ले रहे हैं। अब तक लगभग 20 लाख लोग यूक्रेन छोड़ चुके हैं जिनमें से आधे लोगों ने पोलैंड में शरण ली है, जबकि शेष अन्य पड़ोसी देशों में शरण ले चुके हैं। हालांकि वर्तमान संघर्ष का कोई तत्काल उत्प्रेरक नहीं है और यूक्रेन के नाटो में शामिल होने के निर्णय से रूस को उत्पन्न खतरे को ही हमलों की वजह माना जा रहा है। वैसे पिछले करीब दो दिनों से यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की ओर से यह कहा जा रहा है कि फिलहाल वे नाटो में शामिल होने के अपने निर्णय को लेकर तटस्थ हैं, जिससे एक बार तो ऐसा लगा कि युद्ध थम जाएगा, परंतु रूस का इरादा कुछ और ही लग रहा है। माना जा रहा है कि रूस या तो यूक्रेन या उसके बड़े भाग पर कब्जा करना चाहता है या फिर रूस समर्थित रिहायशी क्षेत्रों को यूक्रेन से अलग कर उन्हें रूस का हिस्सा बनाना चाहता है। परंतु रूस को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत जोर लगाना पड़ रहा है, क्योंकि उसकी अपेक्षा के विरुद्ध उसे यूक्रेन की सेना व स्थानीय जनता से भारी प्रतिरोध झेलना पड़ रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अमेरिका और अन्य देशों ने युद्ध रोकने व संघर्ष विराम के अनेक प्रयास किए, रूस पर अनेक प्रकार के प्रतिबंध भी लगाए, परंतु उनका भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा जिसके परिणामस्वरूप रूस लगातार अपने हमले तेज करता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से भी युद्ध रोकने के प्रयास किए गए, पर सुरक्षा परिषद में रूस द्वारा वीटो किए जाने की वजह से इस मामले में कोई प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया। हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हमले की निंदा करते हुए प्रस्ताव पारित किया है, परंतु महासभा की शक्तियां सीमित होने के कारण संघर्ष रोकने में उसका कितना प्रभाव होगा, अभी यह आकलन करना मुश्किल है। विश्व के समक्ष चुनौतियां इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर से विश्व के समक्ष अनेक चुनौतियां व प्रश्न पैदा किए हैं। क्या कोई भी शक्तिशाली राष्ट्र जब चाहे किसी भी कमजोर देश पर कोई भी कारण या बहाना बना कर हमला कर जितनी चाहे जान-माल की हानि कर सकता है? क्या किसी भी कारण से एक देश पर किए गए आक्रमण को न्यायोचित ठहराया जा सकता है और क्या विश्व समुदाय द्वारा बनाए गए कानून व संस्थाएं आक्रमण रोकने में असहाय हैं इसमें कोई संदेह नहीं कि देशों के अपने राजनीतिक, कूटनीतिक, सामरिक व आर्थिक हित होते हैं। परंतु उन हितों को साधने के लिए किसी संप्रभु और स्वतंत्र राष्ट्र पर आक्रमण कर उसे तबाह करना, उसकी भूमि और संसाधनों पर कब्जा करना, निर्दोष जनता को मारना और उन्हें अपना घर व देश छोड़े पर मजबूर करना कितना न्यायोचित है दुर्भाग्य है कि यूक्रेन के आम व्यक्तियों को देश की रक्षा के लिए हथियार उठाना पड़ रहा है व विदेश में रह रहे लोग देश के लिए लड़े के लिए वापस आ रहे हैं। युद्ध की भयावहता युद्ध में मारे गए व घायल लोग, उनके बिलखते परिजन व रोते बच्चों की दुर्दशा देख कर हृदय को असहनीय पीड़ा होती है कि किस प्रकार एक देश द्वारा अपने हितों को साधने के लिए एक खुशहाल देश को बर्बादी की राह पर ला दिया गया। रूस ने यह हमला करके अंतरराष्ट्रीय बल निषेध, मानव अधिकार व आपराधिक कानूनों का घोर उल्लंघन किया है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर देशों की समानता, संप्रभुता, राजनीतिक स्वतंत्रता व क्षेत्रीय अखंडता पर आधारित है और देशों को एक दूसरे के विरुद्ध किसी भी प्रकार का बल प्रयोग करने पर प्रतिबंध लगाता है।परिषद द्वारा मामले का संज्ञान लेने तक किया जा सकता है।निषेध कानून, बल्कि आम नागरिकों पर हमला कर वैश्विक मानवीय व आपराधिक कानूनों का भी उल्लंघन किया है। रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए आक्रमण ने न केवल यूक्रेन में भीषण मानवीय त्रासदी को जन्म दिया है, अंतरराष्ट्रीय कानून और संबंधित संस्थाएं इस प्रकार की घटनाएं निसंदेह अंतर्राष्ट्रीय कानून व संस्थाओं की प्रासंगिकता व विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। परंतु ऐसा नहीं है कि इस संघर्ष से अंतर्राष्ट्रीय कानून व संस्थाएं प्रभावहीन या समाप्त हो गई हैं।विकास में उनकी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

रुपे कार्ड और यूपीआइ को प्रोत्साहन देकर भारत ने स्वयं को उस स्थिति से बचा लिया जिससे इस समय रूस जूझ रहा है

बीते दिनों मास्को सहित रूस के कई शहरों में मेट्रो स्टेशनों से लेकर एटीएम कियोस्क जैसे सार्वजनिक स्थलों पर लोगों की लंबी-लंबी कतारों की फोटो इंटरनेट मीडिया पर वायरल थीं। भीड़ का एक बड़ा कारण यह था कि एपल, गूगल, वीजा, मास्टरकार्ड, अमेरिकन एक्सप्रेस और पेपाल जैसी कंपनियों ने रूस में अपना परिचालन बंद कर दिया था। यूक्रेन पर रूसी हमले के विरोध में लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण इन कंपनियों ने यह कदम उठाया था। लोग मेट्रो जैसी सेवाओं के लिए आनलाइन भुगतान के अभ्यस्त हो गए थे, लेकिन एकाएक लगे इस प्रतिबंध ने उन्हें नकदी का सहारा लेने पर मजबूर कर दिया। इसी कारण मेट्रो स्टेशनों पर लंबी कतार लग गईं। तमाम अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं के भुगतान के लिए बढ़ी नकदी की जरूरत से एटीएम कियोस्क के बाहर भी लोग कतारबद्ध दिखे। इसमें कोई संदेह नहीं कि भुगतान नेटवर्क से जुड़ी पश्चिमी कंपनियों ने अपनी इन सेवाओं को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रूस में वित्तीय लेनदेन पर आघात किया है। इस परिदृश्य ने एक नई बहस छेड़ दी है कि पश्चिमी संस्थाओं पर पूरी तरह निर्भरता अपनी वित्तीय संप्रभुता के लिए कितनी घातक है यदि भारत के समक्ष ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुईं तो उस स्थिति में क्या होगा शुक्र है कि भारत के संदर्भ में इसका जवाब वैसा नहीं होगा जैसा रूस के मामले में देखने को मिला। इसका श्रेय जाता है भारत सरकार की दूरदर्शी नीतियों को, जिसने समय से रुपे कार्ड और यूपीआइ जैसी भुगतान प्रणालियों को न केवल अपनाया, बल्कि उन्हें आवश्यक प्रोत्साहन भी प्रदान किया। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम यानी एनपीसीआइ की यह दोहरी पेशकश ऐसे किसी भी संकट में भारत के लिए वरदान सिद्ध होगी। वास्तव में पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी वित्तीय भुगतान से जुड़ा ढांचा किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। कतिपय कारणों से भारत पारंपरिक रूप से नकदी प्रधान अर्थव्यवस्था रहा। इसमें नकदी के विकल्प रूप में अपनाई जाने वाली प्रणाली के उपयोग में एक निश्चित लागत सबसे बड़ी बाधा रही। जैसे वीजा या मास्टरकार्ड से होने वाले कार्ड भुगतान पर कुछ प्रतिशत राशि इन कंपनियों की झोली में जाती है। यह पहलू भुगतान प्रणाली के डिजिटलीकरण की राह में एक बड़ी बाधा बना रहा। मोदी सरकार ने इस अवरोध को चिन्हित कर रुपे के तौर पर एक शुल्क मुक्त पहल की। इसका असर भी दिखा। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 तक देसी डेबिट कार्ड बाजार में रुपे कार्ड की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि 2017 में यह 15 प्रतिशत ही थी। इस बढ़ोतरी में एक निर्णायक पहलू प्रधानमंत्री जन धन योजना का भी रहा, जिसके अंतर्गत खाताधारकों को रुपे कार्ड ही जारी किए जाते हैं। हालांकि

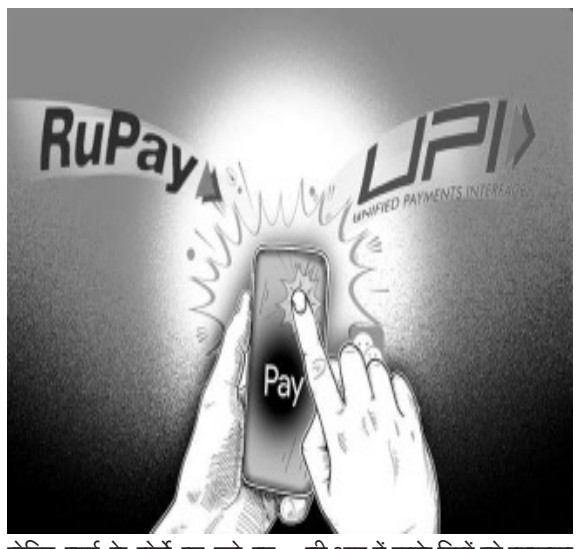

क्रेडिट कार्ड के मोर्चे पर रुपे का वैसा दबदबा नहीं, लेकिन जानकारों का यही मानना है कि समय के साथ इसमें और तेजी आना तय है। कुछ समय पहले बैंकिंग नियामक रिजर्व बैंक ने नियमन संबंधी अर्हताओं को लेकर मास्टरकार्ड पर नए कार्ड जारी करने पर प्रतिबंध लगा दिया था, उस दौरान रुपे क्रेडिट कार्ड के बाजार में खासा विस्तार देखने को मिला था। यही कारण है कि वीजा और मास्टरकार्ड जैसी कंपनियां अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान में रुपे के खिलाफ लाबिंग करने में लगी हैं कि प्रधानमंत्री मोदी 'वित्तीय राष्ट्रवाद की आड़ में उनके हितों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनकी यह खीझ स्वाभाविक है, क्योंकि वित्तीय लेनदेन पर उन्हें जो दो-तीन प्रतिशत कमीशन मिलता रहा, उस पर उन्हें खतरा मंडराता दिख रहा है। स्पष्ट है कि भारतीय वित्तीय प्रणाली में रुपे की निरंतर पैठ बढे से न केवल वित्तीय आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त हो रहा है, बल्कि इससे हर साल हजारों करोड़ रुपये की बचत भी हो रही है। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआइ आत्मनिर्भर भुगतान प्रणाली से जुड़ी भारत सफलता गाथा का दूसरा अध्याय है। आज जब बैंकिंग सुविधा हमारे फोन में सिमट गई है तो यूपीआइ वित्तीय लेनदेन को सुगम बनाने के महत्वपूर्ण आधार के रूप में उभरा है। आंकड़े इसकी सफलता स्वयं कहते हैं। वर्ष 2014 तक जीडीपी में खुदरा डिजिटल भुगतान की नाममात्र की हिस्सेदारी थी, जो 2021 में बढ़कर 47 प्रतिशत तक पहुंच गई। यूपीआइ ने वित्तीय लेनदेन को सुरक्षित एवं आसान बनाने के साथ ही नकदी पर निर्भरता घटाने में भी नाटकीय भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में खुदरा लेनदेन में एटीएम निकासी की हिस्सेदारी 88 प्रतिशत थी, वह दिसंबर 2021 में घटकर 22 प्रतिशत रह गई। यानी यहां भी दोहरा फायदा है। यूपीआइ से जहां बैंक-एटीएम वाले नकदी लाजिस्टिक्सपर आने वाला खर्च घटा है, वहीं वित्तीय लेनदेन सुरक्षित होने और समूचे तंत्र में पारदर्शिता बढ़ाने वाला भी सिद्ध हुआ है। इसीलिए दुनिया के कई देश यूपीआइ के प्रति आकर्षित दिख रहे हैं। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस को जिस प्रकार के वित्तीय प्रतिबंधों को सामना करना पड़ रहा है, उसे देखते हुए भारतीय नीति-नियंताओं की सूझबूझ की दाद देनी होगी कि उन्होंने वित्तीय मोर्चे पर आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को ससमय भांपकर उस दिशा में कदम बढ़ा दिए थे। अमेरिका और अन्य पश्चिमी वित्तीय दिग्गज कंपनियों के ऐसे रवैये के कारण अब दुनिया के कई देशों में उनके प्रति आशंकाओं का जन्म लेना स्वाभाविक है। ऐसे में यह भारत के लिए उचित अवसर है कि वह रुपे और यूपीआइ के वैश्विक विस्तार के प्रयासों को और गति दे। मोदी सरकार पहले ही इन कोशिशों में लगी है। संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश ने रुपे कार्ड को व्यापक स्वीकार्यता दी है। दक्षिण-पूर्वी एशिया और खाड़ी के कई देशों में उसे अपनाने की तैयारी हो रही है। वहीं तमाम देश भारत की प्रेरणा से अपनी स्वतंत्र प्रणालियां विकसित करने के इच्छुक हो सकते हैं। अपने अनुभव एवं दक्षता से भारत इन देशों की मदद के लिए आगे आ सकता है। एक ऐसे दौर में जब वित्तीय लेनदेन का पूरा तानाबाना बदल गया है और भविष्य की लड़ाइयों में तकनीक की भूमिका अहम होती जाएगी, उस स्थिति में भारत की रुपे और यूपीआइ जैसी पहल उसे वित्तीय आत्मनिर्भरता का आवरण प्रदान करने के साथ ही विश्व को नई राह भी दिखाएंगी।

मास्को या वाशिंगटन में से किसी एक विकल्प को चुनने का अमेरिकी दबाव भारत-अमेरिका रिश्तों में कड़वाहट ही घोलेगा

यूक्रेन पर रूसी हमला 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' का ताजा उदाहरण है। यह बताता है कि वैश्विक ढांचे को एक व्यवस्था के अनुरूप चलने के दावे भोथरे हैं। इस सदी के इतिहास और विशेषकर 2001 से ही संप्रभु देशों पर सैन्य हमलों को ही देखिए। अंतर्राष्ट्रीय कानून कमजोरों के खिलाफ मजबूत, किंतु ताकतवर के विरुद्ध असहाय दिखते हैं। चाहे रूसी आक्रमण हो या फिर पश्चिम द्वारा रूस पर प्रतिबंधों की आड़ में छेड़ा गया आर्थिक युद्ध, दोनों ही गलत हैं और नियमों पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय ढांचे का मखौल उड़ाते हैं। रूस की आक्रामकता यदि यूक्रेन की क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन करती है तो पश्चिम का आर्थिक युद्ध रूस की आर्थिक संप्रभुता पर आघात करने वाला है। इस संघर्ष में वैश्विक ढांचे को बदलने की क्षमता है। इससे विश्व अर्थव्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, दोनों में ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। एक नए शीत युद्ध की आहट सुनाई पड़ रही है। इसमें अमेरिका वापस 'या तो आप हमारे साथ हैं या फिर हमारे खिलाफ' वाला रवैया अपनाता दिख रहा है। इस स्थिति में तटस्थ या संतुलित रुख अपनाने वाले देशों पर दबाव बढ़ जाता है। इससे अमेरिका के साथ उन देशों के रिश्ते भले ही टूटें नहीं, लेकिन जटिल जरूर बन जाते हैं, जो वाशिंगटन के आर-पार वाले नजरिये से इतर तटस्थ रुख रखते हों। रूस के खिलाफ भारत को अपने पाले में खींचने के बाइडन प्रशासन के प्रयास कुछ ऐसे ही हैं। सुरक्षा परिषद में रूस के खिलाफ आए प्रस्ताव पर भारत की अनुपस्थिति को लेकर टीम बाइडन भारत पर हमलावर हो गई। वह भी तब जबकि भारत ने रूस द्वारा कूटनीतिक मार्ग का परित्याग करने की आलोचना और हिंसा समाप्त करने का निरंतर आह्वान किया। एक अमेरिकी न्यूज वेबसाइट के अनुसार अमेरिकी विदेश विभाग ने एक केबल में कहा है कि यूक्रेन को लेकर भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तटस्थ रुख ने उन्हें 'रूस के पाले' में पहुंचा दिया है। दरअसल अमेरिकी कूटनीति का यही इतिहास रहा है कि उसमें संदेश या चेतावनी जारी करने के लिए मीडिया 'लीक्स' का सहारा लिया जाता है। जैसे 1998 में चीन के साथ भारत के संबंधों को बिगाड़े में व्हाइट हाउस से प्रधानमंत्री वाजपेयी की अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को परमाणु परीक्षणों के संदर्भ में लिखी चिट्ठी लीक की गई। उक्त वेबसाइट के जरिये इशारों में यह भी कहा गया कि यदि नई दिल्ली वाशिंगटन के रुख से सहमति नहीं जताती तो भारत में लोकतंत्र की स्थिति और अल्पसंख्यकों की कथित अनदेखी पर सार्वजनिक विमर्श शुरू हो सकता है। यूएई पर तो अमेरिकी दबाव ने असर भी दिखाया। जो यूएई 25 फरवरी को सुरक्षा परिषद की बैठक में तटस्थ रहा, उसने 2 मार्च को हुई आमसभा की बैठक में रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। हालांकि भारत का रवैया पहले जैसा ही रहा। यहां

एक विरोधाभास दिखता है। चीन ने करीब 23 महीनों तक भारत की सीमा पर अपना दुस्साहस दिखाया, लेकिन किसी भी पश्चिमी देश के राष्ट्रप्रमुख ने चीन की निंदा नहीं की। यहां तक कि उन्होंने चीन से अपनी फौज पीछे हटाने को भी नहीं कहा, जिसने हिमालयी क्षेत्र में करीब दो लाख सैनिकों का जमावड़ा कर लिया था, जो द्विपक्षीय समझौते का घोर उल्लंघन था। इसके बावजूद पश्चिमी देश यह चाहते हैं कि यूक्रेन पर रूसी हमले के मामले में भारत उनके पक्ष में खड़ा रहे, जबकि भारत न तो नाटो का सदस्य है और न ही यूरोपीय संघ का। जब ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति थे, तब उनके शीर्ष अमले ने भारत के पक्ष में आवाज उठाई। उनके विदेश मंत्री रहे माइक पोंपियो से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार राबर्ट ओ ब्रायन नियमित रूप से भारत के खिलाफ चीनी आक्रामकता पर बीजिंग को आड़े हाथों लेते रहे। उन्होंने इसे 'बेहद आक्रामक कदम', 'अस्वीकार्य व्यवहार' और 'स्पष्ट रूप से उकसाने' वाली कवायद बताया। इसके उलट चीन से पुनः रिश्तों को सुधारने की प्राथमिकता देने वाला बाइडन प्रशासन चीनी आक्रामकता के मामले में भारत के सार्वजनिक समर्थन से बचता रहा। इतना ही नहीं बाइडन ने चीनी आक्रामकता को हिंद-प्रशांत रणनीति का हिस्सा न मानकर भारत के साथ नियंत्रण रेखा से जुड़ा मसला बताया। चीन तो छोड़िए, पाकिस्तान के मामले में भी टीम बाइडन ने भारत को ठोस समर्थन नहीं दिया। 'एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी' के रूप में वह पाकिस्तान पर निरंतर दांव लगा रहा है। वह भी तब जब पाकिस्तान के पिट्ठुओं यानी तालिबान के हाथों उसे अफगानिस्तान में अपमानजनक हार मिली। पाकिस्तान पर किसी प्रकार के प्रतिबंध लगाने में बाइडन की नाकामी के चलते ही वह अभी तक आतंकी देशों की अमेरिकी सूची से बाहर है। इसके बावजूद टीम बाइडन यही चाहती है कि यूक्रेन मसले पर भारत उनका पुरजोर समर्थन करे। यह सही है कि अमेरिका भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बनता जा रहा है, लेकिन दशकों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का कवच बनता आया रूस भी हमारा उतना ही महत्वपूर्ण मित्र है। ऐसी स्थिति में क्या भारत पश्चिम के साथ मिलकर उस देश के खिलाफ मतदान करता, जो ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर परमाणु पनडुबी जैसी तकनीक और रक्षा साजोसामान की आपूर्ति का अहम स्रोत बना हुआ है चीन के खिलाफ भारत को सामरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए रूस एस-400 एयर एवं एंटी-मिसाइल सिस्टम को अग्रिम रूप से देने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता है। भारत को भी यही करना चाहिए। मास्को के साथ रिश्तों के बिगड़े का अर्थ होगा भारत की अमेरिका पर निर्भरता बढ़ा, जिस पर भरोसा करना बड़ा संदिग्ध है। अमेरिका पहले से ही भारत के बड़े हथियार सौदे हासिल कर रहा है, फिर भी वह यही चाहता है कि वही भारत को सभी हथियारों की आपूर्ति करे। रूस से भारत की रक्षा आपूर्ति के लिए उसने 2017 में काट्सा नाम से एक घरेलू कानून भी बनाया। अब इस नए शीत युद्ध की आहट से अमेरिका के ऐसे प्रयास और तेज ही होंगे। फिलहाल भारत सबसे ज्यादा सालाना सैन्य अभ्यास अमेरिका के साथ कर रहा है। भारत को हथियारों की बिक्री के मामले में भी अमेरिका ने रूस को पछाड़ दिया है। नई दिल्ली भी वाशिंगटन से अपने रिश्तों को और गहराई देने के प्रति उत्सुक है। ऐसी स्थिति में भारत के साथ 'इधर या उधर' वाला व्यवहार उचित नहीं कहा जाएगा। रूस और अमेरिका में से किसी एक विकल्प को चुनने का दबाव केवल भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती मिठास को कम करने का ही काम करेगा।

रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए आक्रमण से दुखी होंगी व्यास और टाल्सटाय की आत्माएं

रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले को दो सप्ताह हो चुके हैं। विकट ध्वंस जारी है। संपदा और संसाधनों की भारी क्षति के साथ यूक्रेन के दो हजार से अधिक लोग भी मारे गए हैं। लगभग 20 लाख लोग पलायन कर चुके हैं। यूक्रेनी राजकीय सूत्रों के अनुसार उन्होंने पांच हजार से अधिक रूसी सैन्यबलों को मारा है और उनके सैन्य उपकरणों को नष्ट किया है। यह आंकड़ा कुछ अतिरंजित भी हो सकता है, किंतु रूस की क्षति हुई अवश्य है। यूक्रेनी महिलाएं तक युद्धरत हैं। वे बम बना रही हैं। टैंकों के सामने आकर खड़ी हो जाती हैं। यूक्रेन के ध्वंस के साथ साथ रूस का भी प्रतिदिन लगभग सवा लाख करोड़ रुपया युद्ध व्यय आ रहा है। रूस में युद्ध के विरुद्ध जन प्रदर्शन हो रहे हैं। दुर्भाग्यवश इस युद्ध की चपेट में आकर एक भारतीय छात्र का निधन हो गया, जबकि एक घायल हो गया। हालांकि वहां पढ़ रहे हजारों भारतीय छात्रों पर भी युद्ध का संकट था, परंतु अच्छी बात यह हुई कि भारत सरकार वहां से आने के इच्छुक लगभग सभी छात्रों को लाने में सफल रही। फिर भी वहां मानवता कराह रही है। परमाणु युद्ध की आशंका से समूचा विश्व सशंकित है। एक दशक पूर्व इसी रूस में इस्कान यानी इंटरनेशनल सोसायटी फार कृष्ण कांसशनेस के संस्थापक भक्ति वेदांत स्वामी प्रभुपाद जी महाराज द्वारा विरचित श्रीमद्भगवद्गीता के रूसी अनुवाद और विश्लेषण 'भगवद्गीता एज इट इज पर वहां प्रतिबंध लगाए जाने की बयार चली थी। सरकारी अभियोजक इसे प्रतिबंधित करने के लिए अदालत गए थे। उनका सोच था कि गीता उग्रवाद और युद्धोन्माद बढ़ाने वाला ग्रंथ है। आखिरकार वहां के हिंदू, अन्यान्य प्रबुद्ध लोग और भारत सरकार व जनमानस का रुख देखकर वह बयार थमी। पर इतना तो सच ही है कि कभी इतनी शांतिप्रियता की लाठी भांजने वाले आज एक संप्रभु देश पर केवल इसलिए आक्रमण कर रहे हैं, क्योंकि वह उनके अनुसार, अमेरिका नीत 'नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बनने की सोच रहा था और अपने देश में शायद नाटो का सैन्य प्रशिक्षण केंद्र खुलवाता। 19वीं सदी में नेपोलियन द्वारा रूस पर आक्रमण के बाद तत्परिणामी विभीषिका देखकर रूस के महान साहित्यकार लियो टाल्सटाय ने 'वार एंड पीस (युद्ध और शांति) नामक कालजयी कृति सृजित की, जिसमें दर्शन, अध्यात्म, इतिहास, सामाजिकता लिए पारिवारिक जीवन की खुशहाली को रेखांकित किया गया। लेखक युद्ध क्षेत्रों में भी गए और वास्तविकताएं देखीं। वे इसी रूसी धरती के सपूत थे, जहां के शासक आज अत्यंत लचर आधार पर विश्व को युद्ध की विभीषिका में झोंके दे रहे हैं।

भारत से हजारों किलोमीटर दूर लड़े जा रहे रूस यूक्रेन युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था क्या होगा असर

रूस-यूक्रेन की लड़ाई का गहरा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। यह ऐसे समय हो रहा है, जब कोविड महामारी के कारण विश्व की अर्थव्यवस्थाएं कीमतों को स्थिर करने और आपूर्ति श्रृंखला को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रही थीं, लेकिन यूक्रेन युद्ध ने उनके संभावित समाधानों को और अधिक कठिन बना दिया है। अन्य देशों के साथ भारत के लिए भी अमेरिका-यूरोप और रूस के बीच आर्थिक संतुलन को बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। यह युद्ध भले ही भारत से हजारों किमी दूर लड़ा जा रहा हो, परंतु उसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यूक्रेन पर हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा आर्थिक प्रतिबंधों के साथ-साथ रूस के बैंकों पर स्विफ्ट पेमेंट सिस्टम का उपयोग करने पर रोक लगा दी गई है। यह भी भारत समेत अन्य देशों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। रूस विश्व का लगभग 13 प्रतिशत पेट्रोलियम और 17 प्रतिशत प्राकृतिक गैस का उत्पादन करता है। प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति बाधित होने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। भारत अपनी आवश्यकता का 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। कच्चे तेल की कीमतों के बढे से भारत को अब अधिक डालर का भुगतान करना पड़ेगा, जिससे डालर अधिक मजबूत और रुपया कमजोर होगा। रुपये के कमजोर होने से भारत के आयात महंगे हो जाएंगे, जिससे महंगाई बढ़ेगी। इस प्रकार की महंगाई को आयातित महंगाई कहते हैं। भारत के चालू खाते का घाटा बढ़ जाएगा, जो भुगतान संतुलन को भी गड़बड़ा देगा। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि से और सब्सिडी के कम होने से राजकोषीय घाटा बढ़ जाएगा। कच्चे तेल और गैस के अलावा कुछ अन्य वस्तुएं भी महंगी हो जाएंगी। विमानन टरबाइन ईंधन की लागत 19 प्रतिशत बढे से विमान किराये में भी लगभग 30 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि होने के आसार हैं। भारत खाद्य तेलों की 70 प्रतिशत से अधिक मांग आयात से पूरी करता है। हमारी जरूरत का 70 प्रतिशत से अधिक सूरजमुखी का खाद्य तेल यूक्रेन से आता है। खाद्य तेलों

की आपूर्ति बाधित होने से इसका सीधा प्रभाव कीमत वृद्धि के रूप में दिखाई दे रहा है। इसी तरह सेमीकंडक्टर बनाने के लिए आवश्यक पैलेरियम का प्रमुख उत्पादक देश रूस और लियान का प्रमुख उत्पादक यूक्रेन है। पैलेरियम और लियान की आपूर्ति बाधित होने से सेमीकंडक्टर या चिप भी महंगी हो जाएगी। परिणामस्वरूप स्मार्टफोन, लैपटाप, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव, फ्रिज, टीवी, कार, डिजिटल कैमरा आदि महंगे हो जाएंगे, जो सेमीकंडक्टर तकनीक पर निर्भर हैं। उल्लेखनीय है कि वाहनों की दृष्टि से भारत विश्व का पांचवां बड़ा बाजार है। आशंका है कि जीडीपी में 7.1 प्रतिशत योगदान करने वाला हमारा आटोमोबाइल सेक्टर प्रभावित होगा। यूक्रेन युद्ध के बाद एचडीएफसी बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 8.2 प्रतिशत से घटाकर 7.5 से 7.8 प्रतिशत तक रहने का अनुमान व्यक्त किया है। बदलती परिस्थितियों में महंगाई को रोकने के लिए आरबीआइ को अपनी मौद्रिक नीति के प्रविधानों को इस प्रकार बदलना होगा कि ब्याज दरों में होने वाले परिवर्तन से आम आदमी की जेब पर कम से कम असर पड़े। रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के बीच भारत मास्को और वाशिंगटन के बीच संतुलन स्थापित कर युद्ध के प्रतिकूल आर्थिक प्रभावों को थोड़ा कम कर सकता है। भारत और रूस के बीच होने वाला व्यापार आठ अरब डालर का है, जबकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार लगभग 100 अरब डालर है। मौजूदा हालात में कोई भी भारतीय निवेशक रूस के साथ सीधे व्यापार करने से बचेगा। 2018 में ट्रंप के समय में ईरान पर प्रतिबंध लगने के बाद भारत और ईरान में व्यापार डालर के बजाय रियाल और रुपये में हुआ था। अब नए हालात में भारत को रूस के साथ रूबल-रुपये में व्यापार की संभावनाओं को बल देना होगा। इसी के साथ हमारी सरकार को लोगों को विश्वास दिलाना चाहिए कि यह एक अल्पकालिक स्थिति है और निवेशकों को बाजार पर भरोसा रखना चाहिए। यूक्रेन और रूस वैश्विक स्तर पर गेहूं का 30 प्रतिशत, मक्का का 19 प्रतिशत और सूरजमुखी के तेल का 80 प्रतिशत निर्यात करते हैं। युद्ध के कारण काला सागर बंदरगाह से होने वाली आपूर्ति बाधित होने से लगभग 80 अरब यूरो का व्यापार बाधित हो गया है। यूरोप के देशों में स्टील और इंजीनियरिंग, गेहूं, मोटा अनाज, चाय, काफी और फल-सब्जियों समेत अन्य कृषि उत्पादों की मांग बढ़ गई है। भारत इन वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाकर युद्ध से होने वाली हानि को कुछ कम कर सकता है। साफ्टवेयर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान के कारण आज भारत का डिजिटल भुगतान पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है। इकोनोमिक इंटेलीजेंस यूनिट रिपोर्ट 2021 के अनुसार यूपीआइ (यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस) व्यवस्था ने आज भारत को वैश्विक स्तर पर एक लीडर की तरह खड़ा कर दिया है। भूटान, म्यांमार, सिंगापुर, यूएई, अफ्रीका आदि देश भारत की यूपीआइ व्यवस्था को स्वीकार कर रहे हैं। कुछ संशोधनों के साथ यूपीआइ व्यवस्था को भारत विश्व के समक्ष स्विफ्ट के एक नए विकल्प के रूप में रख सकता है। जब युद्ध की स्थिति बनती है, तब दुनिया विकास के बजाय हथियारों को खरीदने पर अधिक व्यय करने लगती है। ऐसी स्थिति में भारत को विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति इस प्रकार दर्ज करानी होगी, जिससे हमारी आर्थिक प्राथमिकताओं को और अधिक बल मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र के कड़े विरोध के बावजूद राजीव गांधी के हत्यारे को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, पिछले 32 सालों से जेल में था कैद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के कड़े विरोध के बावजूद राजीव गांधी हत्याकांड में दोषी एजी पेरारिवलन को जमानत दे दी है। शीर्ष कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की संतुष्टि की शर्तों पर पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया। जमानत के दौरान वह हर महीने के पहले सप्ताह में चेन्नई के नजदीकी थाने में रिपोर्ट करेगा। वह अभी भी पैरोल पर जेल से बाहर है। पेरारिवलन को राजीव गांधी हत्याकांड में फांसी की सजा सुनाई गई थी जिसे देरी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में उम्रकैद में तब्दील कर दिया था। पेरारिवलन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर रखी है जिसमें सीबीआइ की मल्टी डिसिप्लीनरी मानीटरिंग एजेंसी (एमडीएमए) की जांच पूरी होने तक उम्रकैद की सजा निलंबित करने की मांग की गई है। बुधवार को जस्टिस एल. नागेश्वर राव और बीआर गवई की पीठ ने पेरारिवलन की याचिका का निपटारा होने तक उसे जमानत देते हुए कहा कि इस बात में कोई विवाद नहीं है कि याचिकाकर्ता दोषी 32 वर्ष का कारावास भुगत चुका है और उसे तीन बार पैरोल पर छोड़ा गया, उस दौरान भी उसके आचरण को लेकर कोई शिकायत नहीं आई कोर्ट ने लंबी कैद के दौरान उसके आचरण के संबंध में पेश रिकार्ड, उसकी शिक्षा और कारावास के दौरान खराब सेहत को ध्यान में रखते हुए कहा कि केंद्र सरकार के कड़े विरोध के बावजूद वह जमानत पाने का अधिकारी है। कोर्ट ने कहा कि पेरारिवलन की याचिका पर केंद्र के रुख के आधार पर अगले माह से सुनवाई होगी। केंद्र सरकार ने पेरारिवलन की जमानत का पुरजोर विरोध करते हुए कहा कि वह अभी पैरोल पर है और जेल मैनुअल के हिसाब से उसे पैरोल आदि मिल सकती है, ऐसे में कोर्ट को जमानत नहीं देनी चाहिए। केंद्र की ओर से पेश एडीशनल सालिसिटर जनरल ने कहा कि उस पर केंद्रीय कानूनों के तहत मुकदमा चला था और केंद्रीय एजेंसी सीबीआइ ने केस की जांच की और अभियोग चलाया ऐसे में राज्यपाल को माफी देने का अधिकार नहीं है बल्कि यह अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को है।

मध्य प्रदेश सरकार का बजट हर वर्ग-हर विभाग के लिए लाभदायक- श्रीकान्त चतुर्वेदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा जी ने जो बजट मध्यप्रदेश सरकार ने पेश किया है किसानों युवाओ महिलाओ वेग लिए लाभदायक है जिसमे स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा और शहर से लेकर गांव की व्यवस्था को मजबूत और सुदृढ़ करने वाला सबसे अच्छा बजट- श्रीकांत चतुर्वेदी इससे बढ़िया बजट हो ही नही सकता,जिसमे मध्यप्रदेश सरकार ने आमजनता,युवाओं,किसानों के हित और उन्हें आर्थिक मजबूती प्रदान करने का बेहतर बजट रखा

है,जो कि स्वागत योग्य है। यह बात भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी ने कही,उन्होंने कहा कि सरकार लगातार मध्यप्रदेश को विकास के हर मामले में मजबूत कर रही है चाहे अन्नदाता किसान की बात हो,जल जीवन मिशन के तहत हर घर पानी की बात हो,अटल प्रगति पथ के तहत सड़को के विस्तार की बात हो,गौ माता वेग सरंक्षण की बात हो,शिक्षा के लिए 360 नए म्स् राइज स्कूल से लेकर 22 हॉस्पिटल एवं 11 नए औद्योगिक केंद्र भी बनाये जाएंगे,इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार बधाई की पात्र है।

घर घर चलो अभियान से जुड़ रहा जनता से सीधा संवाद का रास्ता- विनोद ताम्रकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह के आवाहन पर एवं संगठन प्रभारी राजेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी द्वारा व्यक्ति से रूबरू होकर प्रदेश व देश में बढ़ते अपराधों महिला उत्पीडन बाल आपराध माफिया राज बढ़ती बेरोजगारी भीषण महंगाई से जूझ रहे आम जन मानस की पीड़ा को सुनकर भाजपा राज में बदहाल जनता हर तरफ मायूस बैठी है ना तो जनता को प्रशासन से न्याय की आश है ना भरोसा जिस प्रकार

29वे दिन बुधवार को ब्योहारी नगर के वार्ड क्रमांक 12 सेमरिया टोला में घर चलो घर घर चलो अभियान चलाया गया एवं घर घर जाकर वार्ड वासियों से संवाद कर वार्ड में व्याप्त समास्याओं को जाना समुचे वार्ड में रैली निकाल कर प्रत्येक भाजपा के तानाशाही रवैए ने आम जनता की उम्मीदों को कुचला है जनता बेसब्री से इनके अत्याचार से छुटकारा पाना चाहती है जिस कदर भाजपा कुशासन ने जनता के सपनों को रौंदकर अपनी सत्ता की रोटी सेंक रही है अभियान का नेतृत्व कर रहे ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार ने आम जनता से संवाद कर आग्रह किया है कि आगामी चुनाव में अपने उपर हुए हर अन्याय का हिसाब जनता लेगी और इनके करनी कथनी का हिसाब करेगी अभियान के अंतर्गत कांग्रेस पार्टी द्वारा चालाए जा रहे सदस्यता अभियान को घर घर जाकर कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जोड़कर सदस्यता दिलाई गई व हर बूथ पर एक महिला व एक पुरूष को डिजिटल सदस्य बनाया गया एवं कांग्रेस पार्टी की रीति नीति आमजन मानस को बतलाई गई व 18 वर्षों से दीमक की तरह पनप रहे भाजपा कुशासन को उजागर करने हेतु जारी पम्पलेट का वितरण किया गया अभियान के दौरान मुख्य रूप से यह रहें उपस्थित संगठन महामंत्री हरिशंकर कोरी पूर्व पार्षद गीता कोल महिला कांग्रेस अध्यक्ष जरीना खातुन रूना लैला आईटी सेल कांग्रेस अध्यक्ष आयुष ताम्रकार कमला कोरी बिहारी कोरी राजेश्वर पांडे आत्माराम उर्मालिया जलेबी बाई ललिता कोल रानू कोल सुंदर साहू रामबोध साहू ननबुद्धी कोल शिवकुमार राठौर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व आम जन मानस उपस्थित रहे.

मैहर में खेल मैदान में प्रवेश करने के लिए मैहर एसडीएम ने नया रास्ता बनवाया, बना चर्चा का विषय

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। मैहर में एक ऐसा नया कार्य किया गया जिसको लेकर मैहर एसडीएम धर्मेंद्र मिश्रा की सराहना की जा रही है ,मैहर क्षेत्र के हर

युवाओ व खेल प्रेमियो के जुबान से सुनने को मिल रही है आपको बता दे कि 11 मार्च से बाबा अलाउद्दीन खां समारोह की तैयारियों के साथ शारदा देवी जी रोड़ से एक नया मार्ग मनाया गया जो फुटबॉल खेल मैदान में सीधे पहुँच जाएगा इस कार्य से स्थानीय लोगो के बीच बड़ी ही चर्चा के विषय बना हुआ है, अब खेल मैदान में जाने व आने के लिए तीन मार्ग हो गए जिसमे सबसे बेहतर देवी जी मुख्य मार्ग से और हाउसिंग बोर्ड कालोनी होते हुए और जेल तिराहे की तरफ से यानी ये तीनो मार्ग से अब लोगो का आने जाने में बहुत ही सुगम मार्ग साबित होगा लोगो के लिए, क्षेत्र के खेल प्रेमियों व खिलाड़ीयो सहित आमजन ने भी धन्यवाद ज्ञापित किया है।

आपरेशन गंगा में भी भारत ने निभाया पड़ोसी धर्म, 13 बांग्लादेशी छात्र समेत 17 विदेशी छात्र यूक्रेन से लाए गए बाहर

नई दिल्ली। आपरेशन गंगा के तहत अपने छात्रों को यूक्रेन से सुरक्षित वापस लाने के लिए बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। इसके साथ ही एक पाकिस्तानी छात्रा ने भी कीव के भारतीय दूतावास और प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की। आपरेशन गंगा के तहत भारत 13 बांग्लादेशी छात्रों समेत कुल 17 छात्रों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। दरअसल, यूक्रेन के शहर सूमी में फंसे भारतीयों और अन्य देश के छात्रों को निकालना आसान काम नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी के यूक्रेन और रूस के राष्ट्रपति से अलग-अलग बात करने के बाद ही दोनों देश सुरक्षित गलियारा देने के लिए सहमत हुए। इसके बाद रेडक्रास इंटरनेशनल की मदद से मंगलवार को 700 लोगों को सूमी से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसमें भारतीय छात्रों के साथ-साथ बांग्लादेशी, पाकिस्तानी, ट्यूनेशियाई छात्र शामिल थे। इससे पहले एक नेपाली छात्र को भी बाहर लाया गया था। युद्धक्षेत्र से बांग्लादेशी छात्रों को सुरक्षित निकालने के लिए शेख हसीना ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर धन्यवाद किया। वहीं

पाकिस्तानी छात्रा अस्मा शफीक ने बताया कि कीव स्थित भारतीय दूतावास ने उसे सूमी से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई। शफीक ने भारतीय दूतावास के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया कहा। सोमवार शाम को प्रधानमंत्री मोदी ने पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से करीब 35 मिनट और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से करीब 50 मिनट बात की।

कब तक उपेक्षित होता रहेगा मैहर का उस्ताद अलाउद्दीन संगीत समारोह ,न प्रचार न प्रसार 11 12 13 मार्च 2022 को होना है संगीत समारोह

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। संगीत की दुनिया में शायद ही ऐसा कोई हो जो मैहर के बाबा अलाउद्दीन खान को न जानता हो, क्योंकि अलाउद्दीन खान संगीत जगत के ऐसे समुंदर थे जिससे संगीत की अलग-अलग धाराएं निकली। मध्यप्रदेश के सतना जिले का मैहर कस्बा देश के अन्य कस्बों जैसा ही है। देश और दुनिया में इस कस्बे की पहचान मां शारदा देवी के मंदिर और संगीतज्ञ बाबा अलाउद्दीन खान के कारण है। अलाउद्दीन खान का जन्म भले ही मैहर में न हुआ हो मगर उन्होंने मैहर को अपनी कर्मभूमि बनाया और यहां ऐसे रचे-बसे कि बाबा मैहर के ही होकर रह गए। मध्यप्रदेश में उनके नाम पर अलाउद्दीन खान कला और संस्कृति अकादमी है तो मैहर में महाविद्यालय। इसके बावजूद 6 अक्टूबर को उनके जन्मदिन के मौके पर किसी ने उन्हें याद नहीं किया। इस बात का मलाल हर संगीतप्रेमी को है। अकादमी की ओर से यही कहा जा रहा है कि कोरोना काल के कारण किसी भी तरह का आयोजन संभव नहीं था। अलाउद्दीन कला एकेडमी के द्वारा 11 12 13 मार्च 2022 को संगीत समारोह का आयोजन होने जा रहा है इस आयोजन में विश्व के ख्याति प्राप्त कलाकार विश्व मोहन भट्ट, रोनू मजूमदार, उस्ताद अली अकबर खान, बसंत काबरा शिरकत कर रहे हैं लेकिन फिर भी कला एकेडमी के द्वारा न तो इस संगीत समारोह का किसी प्रकार से प्रचार प्रसार कर रहे हैं और न ही आमंत्रण पत्र दे रहे हैं बस एक छोटा सा ऑडियो क्लिप एक पंपलेट सोशल मीडिया के माध्यम से सर्कुलेट किया जा रहा है जो कि इस महान कलाकार के सम्मान में उपेक्षा पूर्ण व्यवहार कहां तक उचित है इससे तो बेहतर होता कि अलाउद्दीन खां कला एकैडमी आयोजन ही न करें। मैहर में होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन के लिए बजट का भी रोना रहता है क्योंकि इसी कला एकेडमी के द्वारा ग्वालियर में तानसेन समारोह हुआ खजुराहो में खजुराहो फेस्टिवल के नाम पर करोड़ों रुपए उड़ा दिए जाते हैं लेकिन बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खान के लिए बजट का रोना हमेशा से रहा आता है जबकि बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खान के नाम से ही अलाउद्दीन खा कला एकैडमी स्थापित की गई है। अलाउद्दीन खान साहब सहित अन्य संगीतज्ञों की याद में महाविद्यालय विश्वविद्यालय के रूप में इमारतें तो खड़ी कर दी गई मगर उनकी याद में कोई स्थाई कार्यक्रम नहीं होता। यही कारण है कि लाखों करोड़ों रुपए इमारतों पर खर्च किए जाने के बावजूद देश में दूसरा अलाउद्दीन खान, भीमसेन जोशी, रविशंकर पैदा नहीं हो पाया है। सरकार का भारतीय संगीतज्ञ और संगीत के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया चिंताजनक है। कहा जाता है कि अलाउददीन खान के संगीत कला से प्रभावित होकर मैहर के महाराजा बृजनाथ सिंह बीसवीं सदी की शुरुआत में उन्हें मैहर लेकर आए थे। अलाउददीन राजा के दरबार में नियमित रूप से वाद्य यंत्र बजाते और गायन तो करते ही थे, साथ ही जब तक सक्षम रहे हर रोज सीढ़ियां चढ़कर मां शारदा देवी के मंदिर दर्शन करने जाते थे और वहां भी भजन गाते थे। अलाउददीन खान के अनोखे आर्केस्ट्रा मैहर वाद्य वृंद (मैहर बैंड) की स्थापना का भी किस्सा है। लोग बताते है कि वर्ष 1918-19 में मैहर में प्लेग फैला था, इस महामारी के चलते बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी और कई बच्चे अनाथ हो गए थे। इन बच्चों को उन्होंने इकट्ठा किया और उनकी क्षमता और रूचि के अनुसार वाद्य बजाने की शिक्षा दी और उसके बाद ही यह वाद्य वृंद अस्तित्व में आया। वर्तमान में मैहर में स्थित अलाउद्दीन कला महाविद्यालय में यह वाद्य वृंद भी है इसमें महाविद्यालय के छात्र भी शामिल है। यहां अलाउद्दीन की याद में एक संग्रहालय भी है जिसमें तमाम वाद्य यंत्रों को रखा गया है। मैहर वासियों का कहना है कि, उनका नाम जरूर अलाउद्दीन खान था मगर वे सांप्रदायिक सद्भाव की बेजोड़ मिसाल थे। वास्तव में वे संगीत के प्रतिरुप और अवतार थे, क्योंकि संगीत की कोई जाति-धर्म नहीं होती। उनके साम्प्रदायिक सद्भाव को इसी से समझा जा सकता है कि उनके घर (मकान) के दो नाम हैं - मदीना भवन और शांति कुटीर। अलाउददीन खान ने संगीत परंपरा में एक नई शुरुआत की, संभवतः मैहर घराना भारतीय संगीत का इकलौता ऐसा घराना है जिसमें पीढ़ी हस्तांतरण किसी एक परिवार के सदस्यों की बजाय गुरु शिष्य परंपरा के जरिए होता है।

परीक्षा के नियमों में बड़ा बदलाव, बोर्ड ने ऊपरी आयु सीमा को किया समाप्त, इसी साल से लागू होगा फैसला

नई दिल्ली। मेडिकल की पढ़ाई शुरू करने की अब उम्र की कोई सीमा नहीं रहेगी। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने अंडरग्रेजुएड मेडिकल कोर्सो के लिए होने वाली नीट-यूजी की परीक्षा के लिए

अधिकतम उम्र की सीमा को पूरी तरह से खत्म करने का फैसला किया है। इसके साथ ही नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन करने वाले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को इसकी जानकारी छात्रों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। यह फैसला इसी साल से लागू हो जाएगा। दरअसल 2017 में सीबीएसई ने नीट-यूजी में बैठने वाले सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए उम्र की अधिकतम सीमा 25 साल तय कर दी। एसएस, एसटी और ओबीसी के छात्रों के लिए इसमें पांच साल की छूट दी गई थी। यानी वे 30 साल की उम्र तक इस परीक्षा में बैठ सकते है। लेकिन एनएमसी की 21 अक्टूबर को हुई बैठक में इस पर विचार किया गया और सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि इसके लिए अधिकतम उम्र की कोई सीमा नहीं होना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इससे किसी भी कारण से नीट-यूजी की परीक्षा की तैयारी नहीं कर पाने वाले छात्रों के लिए मेडिकल की पढ़ाई का रास्ता ही बंद हो जाता था। अब कोई भी छात्र किसी भी उम्र में इस परीक्षा के मार्फत मेडिकल में दाखिला ले सकेगा। दरअसल फैसला सरकार की नई शिक्षा नीति के अनुरूप भी है, जिसके तहत कालेजों और विश्वविद्यालयों को कोर्सो को ज्यादा लचीला बनाया जा रहा है।

खराब ट्रांसफार्मर को बदलने में अनदेखी

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी। 15 दिन से गांव में बिजली नहीं, सूखी फसल लेकर बिजली विभाग के दफ्तर पहुंचे ग्रामीण ब्यौहारी ग्राम पंचायत आखेटपुर में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण महीनों से खराब ट्रांसफार्मर को नहीं बदला जा रहा है। गांव में बिजली न रहने की वजह से खेतों में सिंचाई भी नहीं हो पा रही है जिससे किसानों की खड़ी फसल सूख रही है। विद्युत वितरण कंपनी ब्यौहारी में ग्राम पंचायत आखेटपुर के वार्ड नं 3 भिरहुआ टोला के आदिवासी परिवार निवास करते हैं, जिनके आसपास 2 से 3 किलोमीटर के बीच एक भी हैंडपंप नहीं है। गर्मी होने के कारण पानी को लेकर गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यहां का ट्रांसफार्मर लगभग 15 दिनों से जला हुआ है जिसे बदलने को लेकर जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे उपस्थित रहीं। हैं। बुधवार को गांव की महिलाएं सूखी फसलों को हाथ में लेकर बिजली विभाग कार्यालय पहुंच कर विभाग के अधिकारियों को अपनी पीड़ा सुनाते हुए प्रदेश सरकार

वेग खिलाफ नारेबाजी की। आदिवासियों के साथ पहुंचे युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष पुष्पेन्द्र पटेल ने ज्ञापन के माध्यम से बिजली विभाग के जेई को समस्या से अवगत कराया। इस मौके पर युवा कांग्रेस जिला महासचिव सतेंद्र त्रिपाठी पिंटू, राजू पटेल व अन्य गांव की महिलाएं

चुनाव परिणाम के बारे में जानकारी लेने के दौरान भूल गए तो चूक जाएंगे, सस्ते फ्लैट पाने का अंतिम दिन आज

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब समेत पांच राज्यों का चुनाव परिणाम बृहस्पतिवार को घोषित किया जाएगा। इसके लिए मतों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू हो गई है। कुछ देर बाद रुझान आने शुरू हो जाएंगे, ऐसे में जाहिर है कि लोग चुनाव नतीजों पर पूरी मुस्तैदी से नजर रख रहे हैं। इस बीच अपने जरूरी काम निपटाना भी जरूरी है, खासकर वो काम जिसके लिए आज अंतिम दिन है। इसी कड़ी में अगर आप देश की राजधानी दिल्ली में अपना आशियाना बनाना चाहते हैं तो बृहस्पतिवार का दिन खास है। दरअसल, दिल्ली विकास प्राधिकरण की आवासीय योजना 2021 के तहत 18335 फ्लैटों के लिए आवेदन का बृहस्पतिवार को अंतिम दिन है। डीडीए अधिकारियों के अनुसार, आवेदन की तिथि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी, इसलिए लोग बृहस्पतिवार शाम तक आवेदन कर सकते हैं। दिल्ली में फ्लैट कर अपनी चाहत का आशियाना बनाने की इच्छा है तो यह बहुत शानदार मौका है। अंतिम दिन यानी बृहस्पतिवार को आवेदन कर सकते है

नोएडा में पंकज सिंह को मिली बड़ी जीत, 1 लाख 81 हजार वोटों से जीतें कार्यकर्ताओ ने मनाई होली

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । गौतमबुद्ध नगर जिले की नोएडा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक पंकज सिंह ने सपा के सुनील चौधरी को 1 लाख 81 हजार 369 वोटों से हराकर शानदार जीत दर्ज की है। अब तक के नतीजों में यूपी विधानसभा चुनाव में यह किसी भी प्रत्याशी की सबसे बड़ी जीत है। इस विधानसभा सीट पर बीजेपी को कोई भी दल टक्कर देता हुआ नहीं दिखा। पंकज सिंह के खिलाफ सपा ने सुनील चौधरी, कांग्रेस ने पंखुड़ी पाठक को उम्मीदवार बनाया था। नोएडा सीट पर 32वें राउंड के नतीजों पर नजर डालें तो सबसे अधिक वोट पंकज सिंह को मिले। पंकज सिह केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे है। 2017 में बीजेपी नेता पंकज सिंह यहां से पहली बार विधायक

बने थे। वे 2002 से राजनीति में सक्रिय हैं। 2004 में वे भाजपा युवा मोर्चा की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य बने थे। 2007 में वह यूपी भाजपा इकाई के कार्यकारिणी सदस्य बने। इसी साल पार्टी उन्हें चिरईगांव विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाना चाहती थी लेकिन पिता की सलाह पर उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। 2010 में उन्हें यूपी भाजपा का सचिव नियुक्त किया गया। बाद में प्रमोशन देकर उन्हें महासचिव बना दिया गया। 2012 वेग विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने नोएडा से महेश कुमार शर्मा को चुनावी मैदान में उतारा था। बसपा के ओम दत्त शर्मा को हराकर महेश शर्मा विधानसभा पहुंचे थे। 2014 के उपचुनाव में बीजेपी ने विमला बाथम शर्मा पर भरोसा जताया। उन्होंने सपा की काजल शर्मा को हराकर जीत दर्ज की। दरअसल, महेश शर्मा ने 2014 में लोकसभा का चुनाव लड़ा था जिसमें उन्हें जीत मिली। उनके सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। 2017 में बीजेपी ने तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह को यहां से टिकट दिया। उन्होंने सपा के सुनील चौधरी को हराया और पहली बार विधायक बने। 2022 में पार्टी ने एक बार फिर मौजूदा विधायक पंकज सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया। कांग्रेस ने उनके खिलाफ पंखुड़ी पाठक को उतारा है जो एक समय अखिलेश और डिंपल यादव की करीबी रही हैं। पंखुड़ी छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय हैं। बसपा ने कृपा राम शर्मा, सपा ने सुनील चौधरी को टिकट दिया है।

12 मार्च, 2022 को जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जिला न्यायाधीश गौतम बुद्ध नगर के निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के कुशल नेतृत्व में 12 मार्च, 2022 को जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय एवं तहसील न्यायालयों में होने जा रहा है। इस सम्बन्ध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, पूर्णकालिक जयहिंद कुमार सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामलें, बिजली व पानी से सम्बन्धित मामलें, धारा 138 एन0आई0एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा संबंधित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद जिसमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन संधि के लिए इच्छुक हो, वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोजित लोक अदालत को जनपद में सफल बनाने के लिये सम्बन्धित अधिकारियों के द्वारा अपनी विभागीय तैयारियॉ पूर्ण करने की कार्यवाही समय रहते कर ली जाये, ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर अधिक से अधिक वादों का निस्तारण संभव हो सकेगं। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

मलाइका अरोड़ा ने ट्रोल्स को बताया 'कूड़ा', बोलीं- इनके कमेंट्स से मेरे पैरेंट्स का होता है ये हाल

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर अपने हॉट लुक्स के लिए काफी पॉपुलर हैं। लोग उनके कर्वी फिगर और फिटनेस के लिए उनकी तारीफ करते हैं, इसके साथ ही मलाइका कभी ट्रोल्स के भी निशाने पर आ जातीं हैं। अब एक्ट्रेस ने ने खुलासा किया है कि उनके पैरेंट्स इस ट्रोलिंग पर कैसे रिएक्ट करते हैं। मलाइका का कहना है कि पैरेंट्स होने के नाते वह काफी परेशान हो जाते हैं, लेकिन वह सिचुएशन को किसी ना किसी तरह से संभालने की पूरी कोशिश करती है पिंकविला को दिए गए एक इंटरव्यू में मलाइका अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर ट्रोल्स पर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने कहा, 'मेरे पैरेंट्स हमेशा कहते रहते थे, बेटा तुम्हारे बारे में किसी ने ये कहा, किसी ने वो कहा और आखिरकार मैं उनके साथ बैठी और कहा यह सब कूड़ा पढ़ना बंद कीजिए। इन फालतू की चीजों पर अपनी एनर्जी मत लगाइए। अब है तो वह हमारे पैरेंट्स ही ना...वह कुछ सुनते हैं तो अपसेट हो जाते हैं। लेकिन जब मैंने उन्हें सारी चीजें समझाईं तो फिर उन्होंने ऐसी बात नहीं कही। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपनी शीयर एम्बेलिश्ड ड्रेस से इंटरनेट

पर तहलका मचा दिया था। पर इसपर भी उन्हें ट्रोल्स का सामना करना पड़ा। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि वो इनसे कैसे निपटती हैं तो इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर लोग काफी पखंडी है। ऐसे ही कपड़े अगर रिहाना पहनेगी या जेनिफर लॉरेंस कैरी करेगी तो उनपर अच्छा लगेगा, अगर मैंने पहना तो मुझे एक मां होने की उम्र हो जाने की दुहाई देंगे। लोग असल में हिप्पोक्रेट हैं। मेरा मतलब है कि ये दोहरे मापदंड क्यों है।

रणबीर कपूर संग डिनर डेट पर निकलीं आलिया भट्ट हुईं ट्रोल, सोशल मीडिया पर लोग कर रहे एसे कमेंट्स

नई दिल्ली। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इंडस्ट्री के सबसे क्यूट कपल्स में से एक हैं। दोनों आजकल पब्लिक में भी हाथों में हाथ डालकर चलते हैं, खुलेआम अपने प्यार का इजहार करने से कभी नहीं हिचकिचाते। आलिया का सोशल मीडिया उनके मेन बॉयफ्रेंड की तस्वीरों से भरा पड़ा है। आलिया के फैंस भी अपनी फेवरेट एक्ट्रेस को उनके मिस्टर परफेक्ट के साथ देखने के लिए बेताब रहते हैं। हाल ही में पैपराजी ने आलिया-रणबीर को डिनर डेट के बाद अपने कैमरों में कैद किया। गंगूबाई काठियावाड़ी कमाई के मामले में 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। आलिया भट्ट की इन दिनों आसमान की सैर कर रहीं हैं। एक फिल्म हिट हो चुकी है और बॉयफ्रेंड के साथ आयन मुखर्जी की अगली फिल्म का इंतजार कर रहीं हैं। राणबीर के साथ डिनर डेट पर निकलीं आलिया का सामना जब पैपराजी से हुआ तो वो ब्लश करने लगीं। यहां देखें वीडिया वीडियो में आलिया व्हाइट आउटफिट पहने नजर आ रही हैं। अपनी डेट के लिए उन्होंने अपने मेकअप को सिंपल और अपने बालों को खुला रखा था। उन्होंने डेनिम जैकेट भी कैरी किया हुआ था। वहीं रणबीर ने अपनी गर्लफ्रेंड को ब्लू शर्ट और व्हाइट

ट्राउजर से मैच किया। हालांकि वे कैमरे के लिए पोज देने नहीं आए। पपराज़ी को आलिया के समर्थन में 'गंगूबाई गंगूबाई' के नारे लगाते हुए भी सुना गया। इस दौरान आलिया भट्ट को जमकर ट्रोल किया गया। किसी का कहना है कि ये जोड़ी सिर्फ ब्रह्मास्त्र को हिट कराने के लिए बनाई गई है। तो किसी ने पूछा कि सिर्फ डेट करोगे या शादी भी करने का इरादा। तो किसी ने लिखा 'गंगू और मंगू' दोनों एक साथ है। बता दें कि पिछले साल ही ये खबर आईं कि ये जोड़ा जल्द ही शादी करने वाला है। पर अभी तक इसे लेकर कोई अपडेट नहीं आया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में इसके बारे में पूछे जाने पर आलिया ने चिढ़ते हुए कहा- नहीं बताना मुझे कि कब होगी शादी।

उर्फी जावेद की बोल्डनेस देख लोग हुए हैरान, कहा मेरी वजह से होती है लड़ाई

नई दिल्ली। उर्फी जावेद भले ही टेलीविजन पर ना एक्टिव हों, लेकिन सोशल मीडिया पर वह छाई रहती है। अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज से उर्फी जावेद कभी फैंस का दिल जीत लेती है, लेकिन अधिकतर समय वह अपने अनोखे फैशन के कारण सोशल मीडिया

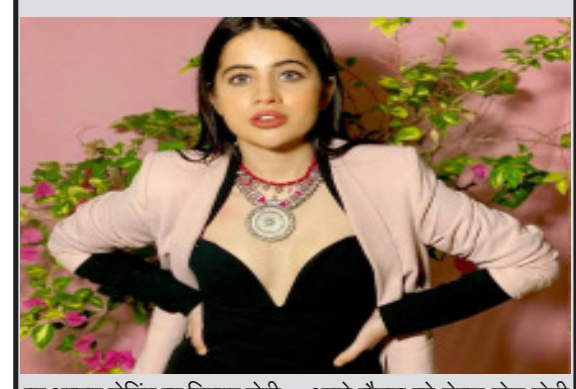

पर अक्सर ट्रोलिंग का शिकार होती हैं। उर्फी जावेद अपना अतरंगी फैशन फैंस को दिखाती हैं। हाल ही में उर्फी जावेद का फिर से बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर लोगों को देखने को मिल रहा है। लेकिन अपनी इन तस्वीरों के साथ उर्फी जावेद लोगों की परेशानी का कारण बन गई हैं। उर्फी जावेद ने अपनी इन बोल्ड तस्वीरों के साथ काफी दिलचस्प कैप्शन दिया। उन्होंने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, 'ये हैरान करने वाली बात है, लेकिन इंटरनेट पर आधे से अधिक लोगों के परेशान होने का कारण मैं हूं'। उर्फी जावेद का ये कैप्शन उनके ट्रोल्स के लिए है या नहीं ये तो उर्फी ही बेहतर जानती होंगी। वैसे कई बार मीडिया बातचीत में उर्फी जावेद इस बात को क्लियर कर चुकी है कि उन्हें इस बात को लेकर फर्क नहीं पड़ता कि लोग क्या सोचते है। उर्फी जावेद वैसे तो अधिकतर अपने फैशन को लेकर ट्रोल होती है, लेकिन उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर उनके फैन्स को खूब पसंद आ रही हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आपका क्या स्टाइल है मैडम'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'आप बहुत ही खूबसूरत हो'। ने उनकी इन खूबसूरत तस्वीरों पर हार्ट और शाइन वाले इमोजी भेजे। आपको बता दें कि उर्फी जावेद ने अपने करियर की शुरुआत साल 2016 में 'बड़े भैया की दुल्हनियां' से की थी। जिसके बाद वह कई शोज का हिस्सा रही, लेकिन बीते साल वह बिग बॉस ओटीटी में नजर आई।

ज्यादा फिल्में करने को लेकर अक्षय कुमार का बड़ा बयान, कहा-मैं आज पैसे के लिए काम नहीं करता

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आले वाली फिल्म बच्चन पांडेय को लेकर सुखिर्यों में हैं। वह बॉलीवुड के उन कलाकारों में से एक है जो हर साल अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। अपनी फिल्मों की वजह से साल 2020 अक्षय कुमार बॉलीवुड के ज्यादा कमाई करने वाले अभिनेताओं में से एक थे। अब एक दिग्गज अभिनेता ने ज्यादा फिल्में करने की वजह का खुलासा किया है। अक्षय कुमार ने कहा है कि वह अब पैसों के लिए नहीं बल्कि जुनून के लिए फिल्में करते हैं। यह बात उन्होंने फिल्म बच्चन पांडे के प्रमोशन के दौरान कही है। बच्चन पांडेय जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। ऐसे में अक्षय कुमार इस फिल्म का जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं सुबह काम पर जाना और रविवार को ब्रेक लेना चुनता हूं। अगर आप रोजाना काम करते रहेंगे तो आसानी से आपके पास कई फिल्में पाइपलाइन में होती हैं। अभिनेता ने आगे कहा, 'सभी लोग महामारी में काम कर रहे थे, जिनमें पुलिसकर्मी, मीडिया फोटोग्राफर और अन्य शामिल थे। सभी को पैसा कमाना है। आज मेरे पास जिंदगी में सब कुछ है, मैं एक अच्छी जिंदगी जीती हूं। मैं आसानी से घर पर बैठ सकता हूं और कमा नहीं सकता लेकिन उन लोगों का क्या जो काम करना चाहते हैं (और पैसा कमाना चाहते हैं) मैं आज पैसे के लिए नहीं बल्कि जुनून के लिए

काम कर रहा हूं। जिस दिन मैं बोर महसूस करूंगा, उस दिन मैं काम करना बंद कर दूंगा। इसके अलावा अक्षय कुमार ने और भी ढेर सारी बातें की हैं। बात करें उनकी फिल्म बच्चन पांडेय की तो अक्षय कुमार की यह फिल्म लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है। अभिनेता की यह कॉमेडियन एक्शन-थ्रिलर है। फिल्म बच्चन पांडेय में अक्षय कुमार के अलावा कृति सेनन, अरशद वारसी और जैकलीन फर्नांडिस मुख्य भूमिका में नजर आने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है। बीते दिनों फिल्म बच्चन पांडेय का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया गया था कि कृति सेन फिल्म में एक निर्देशक की भूमिका निभाती दिखेंगी और सबसे बड़े गैंगस्टर बच्चन पांडे पर फिल्म बनाने का फैसला करती है। फिल्म में हीरो बनने के कोशिश में लगे अरशद वारसी कृति सेन को बच्चन पांडे उर्फ अक्षय से मिलवाते है और इस बीच अक्षय कुमार अपनी जिंदगी की स्टोरी उन्हें बताते है। इस पूरे ट्रेलर में अक्षय मारधाड़ के साथ-साथ लोगों को अपने एक्शन से हैरान करते हुए नजर आए।

समांथा रुथ प्रभु ने तलाक के बाद लौटा दी नागा चैतन्य दिय ये कीमती तोहफा, शादी से है इसका खास कनेक्शन

नई दिल्ली। साउथ की सुपरहिट एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु प्रोफेशनल लाइफ के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती है। बीते दिनों वह एक्टर नागा चैतन्य अक्किनेनी संग अपने तलाक को लेकर काफी चर्चा में रहीं। हलांकि इस प्यारी सी जोड़ी के

अलग होने पर फैंस काफी निराश हुए थे। पति से अलग होने के बाद सामंथा एक बार फिर से अपनी लाइफ को पटरी पर लाने में जुटी हुई हैं। वहीं अब 'पुष्पा' एक्ट्रेस सामंथा को लेकर एक नई खबर सामने आ रही है। खबरों की मानें तो समांथा ने नागा चैतन्य का दिया हुआ एक खास तोहफा लोटा दिया है। सामंथा रुथ प्रभु ने तलाक के बाद अब नागा चैतन्य के दिए उस खास तोहफे को भी लौटा दिया है जो उनकी शादी से जुड़ा था। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार सामंथा ने नागा को वो साड़ी लौटा दी है जो उन्हें शादी में दी गई थी। ये साड़ी नागा चैतन्य की दादी की थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनकी क्लोज फ्रेंड और डिजाइनर क्रेशा बजाज ने सामंथा की शादी से पहले इस साड़ी को फाइनल टच दिया था। उनकी ये साड़ी बेहद ही खूबसूरत है। आपको बता दें कि समांथा रुथ प्रभु ने इस साल 2 अक्टूबर को नाग चैतन्य अक्किनेनी से अलग होने की घोषणा की थी। समांथा रुथ प्रभु और नाग चैतन्य ने एक-दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था। इसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया था। समांथा रुथ प्रभु और नाग चैतन्य ने साल 2017 में एक-दूसरे शादी की थी। इन दोनों ने हिंदू और क्रिश्चन परंपराओं के अनुसार शादी की थी। उस समय समांथा रुथ प्रभु और नाग चैतन्य की शाही शादी काफी चर्चा में भी रही थी। लेकिन शादी खत्म होने की खबर ने फैंस को काफी हैरान किया।

श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर के इस वीडियो ने लगाई सोशल मीडिया पर आग, गोल्डन स्ट्रिप्ड टॉप में भीगे बालों में ढाया कहर

नई दिल्ली। बॉलीवुड दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी ने आज भले ही हमारे बीच नहीं है लेकिन वह हमेशा ही अपनी फैंस के दिल में जिंदा रहेंगी। श्रीदेवी चाहती थीं कि उनकी तरह ही उनकी बेटियां भी इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाएं। मां के इसी सपने को पूरा करने में जाह्नवी कपूर कोई कसर नहीं छोड़ रही है। फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जाह्नवी आज इंडस्ट्री का एक जाना माना नाम हैं। एक्टिंग के साथ जाह्नवी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं सोशल प्लेटफॉर्म पर उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। वह आए दिन अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों के चलते फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोरती है। इसी बीच जाह्नवी का लेटेस्ट फोटोशूट वीडियो चर्चा में है। इस फोटोशूट में वह अपनी हॉटनेस की वजह से फैंस के बीच काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। यहां देखें तस्वीरें जाह्नवी कपूर का ये लेटेस्ट नहीं बल्कि वीडियो है सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह बेहद शानदार पोज दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने गोल्डन कलर का स्ट्रिप्ड टॉप पहना हुआ है। इस दौरान उनके भीगे बाल उनकी सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं। फोटोशूट वीडियो में उनके पोज देने की अदा फैंस को क्रेजी बना रही है। वीडियो

में आप देख सकते है कि इस दौरान जाह्नवी के साथ इस फोटोशू में और भी लोग हैं जो इसे शूट करने में काफी मेहनत कर रहे हैं। इस वीडियो को बॉलीवुड के फेमस सेलेब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट अमित ठाकुर ने शेयर किया है। जाह्नवी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में नजर आएंगी। इस मूवी में उनके साथ फेमस एक्टर राजकुमार राव एक बार फिर से स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म 7 अक्टूबर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा जाह्नवी के पास 'गुड लक जेरी', 'मिली', 'बॉम्बे गर्ल' और 'दोस्ताना 2' है।

अमेरिका की लूना सोसायटी इंटरनेशनल ने सुशांत सिंह राजपूत को लेकर लिया बड़ा फैसला, मनाएंगे 'सुशांत मून डे'

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को दुनिया छोड़े दो साल हो गए है। बावजूद इसके उनके फैंस और करीबी आज भी उन्हें याद करते रहते हैं। इस बीच अमेरिका में अंतरिक्ष संस्थान लूना सोसायटी इंटरनेशनल ने सुशांत सिंह राजपूत के जन्मदिन को खास अंदाज में याद करने के लिए बड़ा फैसला किया है। दिवंगत अभिनेता का जन्म 21 जनवरी को होता है। ऐसे में लूना सोसायटी इंटरनेशनल ने सुशांत सिंह राजपूत के जन्मदिन को 'सुशांत मून डे' नाम दिया है। इस बात की घोषणा सोसायटी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर की है। सुशांत सिंह राजपूत का अगले साल 37वां जन्मदिन होगा। ऐसे में लूना सोसायटी इंटरनेशनल ने कहा है कि अगले साल 21 जनवरी को 'सुशांत मून डे' मानया जाएगा। गौरतलब है कि इस साल जनवरी में सुशांत सिंह राजपूत के फैंस ने उनके जन्मदिन को धूमधाम से मनाया था। फैंस ने इस दिन को 'सुशांत मंथ' का नाम दिया था। खबरों की मानें तो सुशांत सिंह राजपूत की एक्टिंग के साथ अंतरिक्ष की चीजों को लेकर भी काफी दिलचस्पी थी। यही वजह थी कि वह अपने साथ एक टेलीस्कोप भी रखते थे और अक्सर अंतरिक्ष से जुड़ी चीजों को देखते रहते थे। इतना ही नहीं सुशांत सिंह राजपूत फिल्म 'चंदा मामा दूर के' में मुख्य भूमिका निभाने वाले थे। यह फिल्म अंतरिक्ष से जुड़ी चीजों पर आधारित थी। फिल्म 'चंदा

मामा दूर के' सुशांत सिंह राजपूत के दिल के करीबी थी। इस फिल्म के लिए वह नासा भी गए थे, लेकिन अब वह इस दुनिया में नहीं है। ऐसे में पिछले साल 'चंदा मामा दूर के' के निर्माता संजय पूरन सिंह ने इस फिल्म को सुशांत सिंह राजपूत की याद में बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा था कि यह फिल्म साल 2024 तक सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। संजय पूरन सिंह यह फिल्म सुशांत सिंह राजपूत को समर्पित करेंगे। आपको बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत का 14 जून साल 2020 को निधन हो गया था। अभिनेता का शव बांद्रा स्थित उनके घर में मिला था। मुंबई पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला था कि उन्होंने आत्महत्या की थी। हालांकि इस केस में बाद में पटना पुलिस ने भी हस्तक्षेप किया था। जिसके कुछ समय बात सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच सीबीआई के पास चली गई। फिलहाल इस मामले में सीबीआई की जांच जारी है।

अमीष त्रिपाठी की 'शिवा ट्रिलॉजी' पर वेब सीरीज का एलान, शेखर कपूर ने संभाली निर्देशन की कमान

नई दिल्ली। बॉलीवुड से एक बड़ी खबर आ रही है। अमीष त्रिपाठी की बेहद लोकप्रिय माइथोलॉजिकल नॉवल सीरीज शिवा ट्रिलॉजी को अब सिनेमाई पर्दे पर लाने की तैयारी चल रही है और इसके निर्देशन की कमान सौपी गयी है दिग्गज निर्देशक शेखर कपूर को, जो इस शिवा ट्रिलॉजी पर सीरीज का निर्देशन कर रहे हैं। वैरायटी की खबर के मुताबिक, इसका निर्माण ग्लोबल एंटरटेनमेंट स्टूडियो इंटरनेशनल आर्ट मशीन कर रहा है। इस हॉलीवुड कम्पनी का यह भारत में पहला प्रोजेक्ट है। प्रोडक्शन स्टूडियो ने इसके अलावा और भी प्रोजेक्ट्स का एलान किया है, जिससे प्रीति जिंटा, दिबाकर बनर्जी और सुपर्ण एस वर्मा जुड़े हैं। अमेजन प्राइम वीडियो के पूर्व प्रेसीडेंट राय प्राइस ने भी इस जानकारी को ट्वीट किया है। रॉय इंटरनेशनल आर्ट मशीन के सीईओ है।रॉय ने लिखा- शिवा ट्रिलॉजी टीवी सीरीज की विश्व स्तरीय टीम की घोषणा करते हुए अत्यंत उत्साहित महसूस कर रहा हूं। भारतीय नॉवल्स को स्क्रीन पर बेहतरीन तरीके से पेश करने की उम्मीद कर कहा हूं। अमीष त्रिपाठी की उपन्यास सीरीज शिव ट्रिलॉजी के तहत तीन उपन्यास रिलीज किये गये थे- इम्मॉर्टल्स ऑफ मेलुहा, द सीक्रेट ऑफ द नागाज और द ओथ ऑफ वायुपुत्राज। तीनों किताबें क्रमशः 2010, 2011 और 2013 में आयी थीं और काफी सफल रही थीं। इस ट्रिलॉजी की कहानी मेलुहा नाम के एक सम्पन्न राज्य में स्थापित है और भगवान राम के वक्त से कई सदी पहले के कालखंड में कही गयी है। इस एलान पर खुशी जताते हुए लिखा- ओटीटी प्लेटफॉर्म पर शिव ट्रिलॉजी को लाने के लिए शेखर कपूर, रॉय प्राइस और सुपर्ण से बेहतर टीम नहीं हो सकती। शिवा गण ट्राइब का मुखिया है। इस ट्रिलॉजी में भगवान शिव और सती की कहानी को बेहद रोमांचक और विश्वसनीय ढंग से कवर किया गया है। इस प्रोजेक्ट से द फैमिली मैन 2 के राइटर सुपर्ण एस वर्मा भी जुड़े है, जो शो रनर और निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। शिवा ट्रिलॉजी सीरीज के अलावा द किटी पार्टी थ्रिलर सीरीज की घोषणा भी की गयी है, जिससे प्रीति जिंटा जुड़ी हुई हैं। यह एक मर्डर मिस्ट्री है। दिबाकर बनर्जी पॉलिटिकल ड्रामा गॉड्स का निर्देशन करेंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।